3 to 5

Teacher's Manual

Teacher's Manual

Book-3 ...02
Book-4 ...23
Book-5 ...48

FLYING BOOKS

With Activity Sheets

व्याकरण मंथन

DIGITAL BOOK

- संजय आत्रेय
- उमा शर्मा

हिंदी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक

- रचनात्मक प्रस्तुतीकरण
- उच्च बौद्धिक स्तर
- सृजनात्मक गतिविधियों का प्रयोग
- मनोरंजक क्रियाकलापों का समावेश

1 भाषा और व्याकरण

खंड 'क' : व्याकरण

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) सार्थक शब्दों तथा वाक्यों के ऐसे समूह को जिसके द्वारा हम अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकें, उसे भाषा कहते हैं।

(ख) हम जो कुछ बोलते या सुनते हैं, उसे मौखिक भाषा कहते हैं। यह भाषा का प्रारंभिक रूप है, क्योंकि सबसे पहले हम बोलना ही सीखते हैं।

(ग) हम जो कुछ लिखते या पढ़ते हैं, उसे लिखित भाषा कहते हैं। यह भाषा का स्थायी रूप है, क्योंकि लिखी गई बातों को बहुत अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है; जैसे–पत्र लिखना, लेख लिखना आदि।

(घ) भाषा के क्षेत्रीय रूप को बोली कहते हैं; जैसे–हरियाणवी, ब्रज, अवधी, मैथिली आदि।

(ङ) व्याकरण के तीन अंग माने जाते हैं; जैसे–वर्ण-विचार, शब्द-विचार, वाक्य-विचार।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) भाषा के **दो** रूप होते हैं।

(ख) **अंग्रेजी** को अंतर्राष्ट्रीय भाषा का स्थान प्राप्त है।

(ग) पंजाबी भाषा की लिपि **गुरुमुखी** है।

(घ) **वर्ण-विचार** में वर्णों तथा उनके भेदों पर विचार किया जाता है।

(ङ) भाषा के लिखने के ढंग को **लिपि** कहते हैं।

3. एक शब्द में उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) हिंदी (ख) देवनागरी (ग) रोमन (घ) फारसी

4. निम्नलिखित के सामने भाषा या बोली लिखिए–

उत्तर–

(क)	राजस्थानी	**बोली**	(ख)	मैथिली	**बोली**
(ग)	तेलुगु	**भाषा**	(घ)	तमिल	**भाषा**
(ङ)	कन्नड़	**भाषा**	(च)	बंगला	**भाषा**
(छ)	भोजपुरी	**बोली**	(ज)	मगही	**बोली**

2 वर्ण-विचार

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) ध्वनियों को लिखने के लिए प्रयुक्त निश्चित चिह्नों को वर्ण कहते हैं।

(ख) वर्णों के दो भेद होते हैं–1. स्वर 2. व्यंजन।

(ग) क्ष, त्र, ज्ञ और श्र संयुक्त व्यंजन हैं। दो व्यंजनों के संयोग से बनने के कारण इन्हें संयुक्त व्यंजन कहा जाता है; जैसे–

क्ष = क् + ष क्षत्रिय, क्षमा, क्षय ज्ञ = ज् + ञ यज्ञ, ज्ञान, ज्ञात।

(घ) **अनुस्वार तथा अनुनासिक ध्वनियों में अंतर**

अनुस्वार (ं)–जब किसी वर्ण का उच्चारण करते समय वायु केवल नासिका से ही बाहर निकलती है, तो लिखते समय वर्ण के ऊपर बिंदु (ं) का प्रयोग करते हैं; जैसे–डंक, वंश, लंका, बंदर आदि।

अनुनासिक (ँ)–जब किसी वर्ण का उच्चारण करते समय वायु नाक और मुँह दोनों स्थानों से निकलती है, तो लिखते समय वर्ण के ऊपर चंद्रबिंदु (ँ) का प्रयोग करते हैं; जैसे–आँख, पाँच, साँच, चाँद, जूँ आदि।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) वर्णों के क्रमबद्ध समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।

(ख) स्वरों का उच्चारण **स्वतंत्र** रूप से होता है।

(ग) स्वर-ध्वनि की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण **व्यंजन** कहलाते हैं।

(घ) स्वरों की संख्या **11** होती है।

(ङ) अनुस्वार वह ध्वनि है जिसका उच्चारण केवल **नासिका** से होता है।

3. निम्नलिखित ध्वनियों को जोड़कर शब्द बनाइए–

उत्तर– (क) ब् + आ + ल् + अ + क् + अ = **बालक**

(ख) म् + ओ + ट् + आ = **मोटा**

(ग) च् + ओ + ट् + ई = **चोटी**

(घ) स् + ऊ + र् + अ + त् + अ = **सूरत**

(ङ) द् + अ + स् + अ = **दस**

4. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✓)

5. निम्नलिखित मात्राओं के सामने उनके स्वर लिखिए–

मात्रा	**स्वर**	**मात्रा**	**स्वर**
ि	**इ**	ी	**ई**
ो	**ओ**	ू	**ऊ**
ु	**उ**	ौ	**औ**
ा	**आ**	े	**ए**
ृ	**ऋ**	ै	**ऐ**

6. निम्नलिखित अपूर्ण शब्दों को उचित मात्राएँ लगाकर पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) गधा (ख) राख (ग) किसान

(घ) किताब (ङ) चील

3 शब्द और वाक्य

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) दो या दो से अधिक वर्ण मिलकर जब एक निश्चित अर्थ देते हैं, तो शब्द

कहलाते हैं; जैसे–मोहन, पर्वत, नदी, बंदर आदि।

(ख) शब्दों का वर्गीकरण निम्न चार आधारों पर किया जाता है–1. उत्पत्ति के आधार पर, 2. रचना के आधार पर, 3. प्रयोग के आधार पर, 4. अर्थ के आधार पर।

(ग) रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं–

(i) रूढ़ शब्द; जैसे–गाड़ी, हाथ आदि।

(ii) यौगिक शब्द; जैसे–सेनापति, बैलगाड़ी आदि।

(iii) यौगरूढ़ शब्द; जैसे–लंबोदर, दशानन आदि।

(घ) वह सार्थक शब्द समूह जो किसी विषय का पूर्ण भाव प्रकट करता है, वाक्य कहलाता है।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **साक्षी** दूध पीती है। (ख) **बंदर** पेड़ पर बैठे हैं। (ग) **घोड़ा** घास चरता है। (घ) **दर्जी** कपड़े सिलता है। (ङ) **मम्मी** ने मुझे डाँटा। (च) **मोची** जूते बनाता है।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✗) (ख) (✗) (ग) (✗) (घ) (✓)

4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– (क) बच्चे खेल रहे हैं। (ख) महिमा ने खाना खा लिया है।
(ग) मैंने पुस्तक पढ़ ली है। (घ) बिल्ली दूध पी गई है।
(ङ) उसने खीर खा ली है। (च) बच्ची रो रही है।

5. निम्नलिखित वर्णों का क्रम ठीक करके सार्थक शब्द बनाइए–

उत्तर– (क) री ब क - **बकरी** (ख) ध्अ प या क - **अध्यापक**
(ग) श गो र ख - **खरगोश** (घ) एँ छा त्रा - **छात्राएँ**
(ङ) भ शु म - **शुभम** (च) य गा - **गाय**
(छ) ला ब गु - **गुलाब** (ज) र सी कु - **कुरसी**

6. निम्नलिखित वर्ण-समूहों में जिसे आप शब्द समझते हैं, उस पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–

(क) ड़िचया	(ख) रंदब	(ग) लफू
चिड़िया (✓)	दंबर	फूल (✓)
याड़िचि	बंदर (✓)	लुफ
(घ) कानम	(ङ) नअरा	(च) रटम
नकाम	अनार (✓)	टमर
मकान (✓)	नारअ	मटर (✓)

7. निम्नलिखित में से सार्थक और निरर्थक शब्दों को अलग करके लिखिए–

उत्तर– सार्थक शब्द	**निरर्थक शब्द**
नानी, चाट	वोजन, वाट
जाल, कॉपी	वाल, वापी
पानी, चंदा	वंदा, वपड़ा
रोटी, चाय	वोती, वाय
तोता, कलम	वोता, वलम
कैंची, तकली	वकली, खटर

4 संज्ञा

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) किसी प्राणी, वस्तु, स्थान तथा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे–राम,मेज, दिल्ली, बचपन आदि।

(ख) संज्ञा के तीन प्रकार होते हैं–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा–जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति वस्तु या स्थान का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे–राम, रामायण, ताजमहल आदि।

2. जातिवाचक संज्ञा–जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– फूल, फल, घोड़ा आदि।

3. भाववाचक संज्ञा–जिस शब्द से किसी प्राणी या पदार्थ की दशा, भाव, अवस्था अथवा गुण आदि का बोध होता है, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे–वीरता, ईमानदारी, बुराई, मधुरता।

(ग) जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

(घ) जिन शब्दों से प्राणियों, वस्तुओं, स्थानों आदि की जाति का बोध हो, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

(ङ) जिस शब्द से किसी प्राणी या पदार्थ की दशा, भाव, अवस्था अथवा गुण आदि का बोध होता है, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं, जैसे–वीरता, ईमानदारी, बुराई, मधुरता आदि।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **हर्ष** आज विद्यालय गया है। (ख) **गाय** घास खाती है।

(ग) ताजमहल **आगरा** में है। (घ) **चिड़ियाँ** चहक रही हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए–

उत्तर– (क) मोहन, सेब (ख) निशा (ग) पेड़, कबूतर

(घ) शिक्षिका (ङ) गरीबी, चीज (च) सच्चाई, जीत

4. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

उत्तर–

(क)	कठोर	**कठोरता**	(ख)	बच्चा	**बचपन**
(ग)	मीठा	**मिठास**	(घ)	वीर	**वीरता**
(ङ)	मानव	**मानवता**	(च)	सच्चा	**सच्चाई**
(छ)	कायर	**कायरता**	(ज)	कोमल	**कोमलता**
(झ)	अपना	**अपनापन**	(ञ)	पढ़ना	**पढ़ाई**

5. व्यक्तिवाचक और जातिवाचक संज्ञा के चार-चार उदाहरण दीजिए–

उत्तर– (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा : **महात्मा गांधी विद्यालय लालकिला महाभारत**

(ख) जातिवाचक संज्ञा : **फल शेर लड़की फूल**

5 लिंग

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संज्ञा शब्द के जिस रूप से पुरुष या स्त्री जाति का भेद प्रकट हो उसे, लिंग कहते हैं।

(ख) पुरुष या नर जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिग कहलाते हैं; जैसे–बालक, पिता, चाचा, भाई, छाता, पत्थर, बढ़ई, नाई, दरजी आदि।

(ग) स्त्री या मादा जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं; जैसे–बालिका, माता, चाची, मामी, बहन, आँख, सखी, लड़की आदि।

2. पुल्लिग अथवा स्त्रीलिंग शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **धोबिन** कपड़े धो रही है। (ख) **नाई** बाल काट रहा है।

(ग) **नौकर** बाजार से सब्जी लाया। (घ) **घोड़ा** दौड़ रहा है।

(ङ) **मालिन** फूलों की माला बना रही है।

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए–

उत्तर– (क)	सेवक	**सेविका**	(ख)	घोड़ी	**घोड़ा**
(ग)	माता	**पिता**	(घ)	लड़की	**लड़का**
(ङ)	माली	**मालिन**	(च)	बकरी	**बकरा**
(छ)	पति	**पत्नी**	(ज)	छात्रा	**छात्र**
(झ)	बिल्ली	**बिल्लोटा**	(ञ)	लेखिका	**लेखक**

4. रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) राजा घोड़े की सवारी कर रहा है। (ख) बैल घास खा रहा है।

(ग) लड़का दौड़ रहा है। (घ) शेर अपनी माँद में सो रहा है।

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– (क) मेरी कमीज फट गयी है। (ख) हाथी आ रहा है।

(ग) रमा खेल रही है। (घ) बिल्ली दूध पी रही है।

(ङ) दादी जी रामायण पढ़ रही हैं।

6 वचन

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) शब्द का वह रूप जो संज्ञा की संख्या का बोध कराता है, वचन कहलाता है।

(ख) वचन दो प्रकार के होते हैं–1. एकवचन 2. बहुवचन।

एकवचन–शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का पता चले, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे- लड़का, घड़ी, बकरी आदि।

बहुवचन–शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का पता चले, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे–लड़के, घड़ियाँ, बकरियाँ आदि।

(ग) आदर का भाव प्रकट करने के लिए शब्द के बहुवचन रूप का प्रयोग होता है; जैसे–माता जी पूजा कर रही हैं। पिता जी समाचार-पत्र पढ़ रहे हैं। ये मेरी दादी जी हैं।

2. वचन के उचित रूप द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) पानी में **मछलियाँ** तैर रही हैं। (ख) मैदान में **बच्चे** खेल रहे हैं।
(ग) **अध्यापक** पढ़ा रहे हैं। (घ) **लड़का** पत्र लिख रहा है।
(ङ) **कौआ** उड़ रहा है।

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए–

उत्तर–

(क)	बेटी	**बेटियाँ**	(ख)	केले	**केला**
(ग)	रानी	**रानियाँ**	(घ)	बहुएँ	**बहू**
(ङ)	आँखें	**आँख**	(च)	तिथि	**तिथियाँ**
(छ)	पंखे	**पंखा**	(ज)	घोड़े	**घोड़ा**
(झ)	यात्रा	**यात्राएँ**	(ञ)	रीति	**रीतियाँ**

4. रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) मक्खियाँ भिनभिना रही हैं। (ख) लड़की नाच रही है।
(ग) बच्चे दूध पी रहे हैं। (घ) पंखा चल रहा है।
(ङ) मछलियाँ पानी में तैर रही हैं।

7 कारक

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जो शब्द वाक्य में आए संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया से संबंध प्रकट करते हैं; उन्हें कारक कहते हैं; जैसे– राम ने रावण को तीर से मारा।

(ख) कारक आठ प्रकार के होते हैं–1. कर्ता कारक, 2. कर्म कारक, 3. करण कारक, 4. संप्रदान कारक, 5. अपादान कारक, 6. संबंध कारक, 7. अधिकरण कारक, 8. संबोधन कारक।

(ग) **करण कारक और अपादान कारक में अंतर**

करण कारक–जिस साधन के द्वारा कर्ता कार्य करता है, उसे करण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न से तथा के द्वारा है; जैसे–ऋचा पेन से पत्र लिखती है। यात्री बस के द्वारा मथुरा गया।

यहाँ पेन तथा बस से साधन का बोध हो रहा है। अतः यहाँ करण कारक है।

अपादान कारक–जिस संज्ञा या सर्वनाम से किसी अन्य संज्ञा या सर्वनाम का अलग होना पाया जाए, वहाँ अपादान कारक होता है; जैसे–अजय घर से निकला। आँधी आई और पेड़ से आम गिरे।

यहाँ घर और पेड़ से अलग होने का बोध होता है; अतः यहाँ अपादान कारक है।

2. उचित कारक चिह्न द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) नीशू **ने** चाय नहीं पी। (ख) पिता जी कुरसी **पर** बैठे हैं।
(ग) **सुरेश!** यहाँ आओ। (घ) आशा साइकिल **से** गिर पड़ी।
(ङ) पिता जी रेलगाड़ी **के द्वारा** कानपुर गए।

3. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों के कारक बताइए–

उत्तर– (क) संबोधन कारक (ख) करण कारक (ग) संप्रदान कारक
(घ) संबंध कारक (ङ) कर्ता कारक (च) संप्रदान कारक

4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– (क) कोमल पत्र लिखती है। (ख) डॉक्टर से दवा लाओ।
(ग) दादी आगरा से आएँगी। (घ) यह संदेश रोहित को पहुँचा देना।
(ङ) जगन पेड़ से गिर पड़ा। (च) उसने कुल्हाड़ी से लकड़ी काटी।

5. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✗)

6. नीचे लिखे वाक्यों में से कारक-चिह्न छाँटिए और कारक का नाम लिखिए–

उत्तर–	**वाक्य**	**कारक-चिह्न**	**कारक का नाम**
(क)	मधु ने फल तोड़े।	**ने**	**कर्ता कारक**
(ख)	मोहन ने राधा को बुलाया।	**ने, को**	**कर्ता कारक, कर्म कारक**
(ग)	गरीब के लिए पैसा दो।	**के लिए**	**संप्रदान कारक**
(घ)	वृक्ष से पत्ता गिरा।	**से**	**अपादान कारक**
(ङ)	मयंक अपनी बहन से मिलने गया।	**से**	**करण कारक**
(च)	महल में अँधेरा है।	**में**	**अधिकरण कारक**
(छ)	कलम से लिख।	**से**	**करण कारक**
(ज)	अरे अंशुमान! इधर आओ।	**अरे अंशुमान!**	**संबोधन कारक**

7. निम्नलिखित विभक्ति-चिह्नों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) रोहित **का** मित्र राजा है। (ख) यह मीना **की** गेंद है।
(ग) पक्षी पेड़ **पर** बैठे हैं। (घ) उसके हाथ **में** किताब है।
(ङ) यह दूध रोहन **के लिए** है। (च) रुचि ने सौम्या **को** देखा।
(छ) भानू घर **से** निकला। (ज) मेघा पेन **से** पत्र लिखती है।

8 सर्वनाम

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

(ख) सर्वनाम के छः भेद होते हैं–1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. संबंधवाचक सर्वनाम 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं–

(i) उत्तम पुरुष, (ii) मध्यम पुरुष, (iii) अन्य पुरुष।

(i) उत्तम पुरुष–सर्वनाम के जिस रूप को बोलने वाला या लिखने वाला अपने लिए प्रयोग करता है, उसे उत्तम पुरुष कहते हैं; जैसे–मैं, मुझे, हम, हमें आदि।

(ii) मध्यम पुरुष–सर्वनाम शब्द के जिस रूप से (बात) सुनने वाले का बोध हो, उसे मध्यम पुरुष कहते हैं; जैसे–तू, तुम, आप, तुझे, तुम्हें आदि।

कृष्ण ने अर्जुन से कहा–"तू कर्म करने को आजाद है लेकिन फल भोगने को मजबूर है।"

(iii) अन्य पुरुष–बात कहने वाला बात सुनने वाले से किसी अन्य व्यक्ति के बारे में बातचीत करते समय जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करता है, उन्हें अन्य पुरुष कहते हैं; जैसे–वह, वे, उसे, उन्हें आदि।
मैं पिता जी के ऑफिस गया था। वे वहाँ नहीं मिले।

2. उचित सर्वनामों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) तुम **क्या** कर रहे हो? (ख) **हम** फल खाते हैं।
(ग) **यह** मेरी कलम है। (घ) शिवम **मेरा** छोटा भाई है।
(ङ) **तुम्हारा** क्या नाम है?

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✗) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✓)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– (क) मैं (ख) कुछ (ग) वह, हमारा (घ) कोई

5. रंगीन शब्दों के स्थान पर उचित सर्वनाम शब्द लिखकर वाक्य दोबारा लिखिए–

उत्तर– (क) रीति ने अपना होमवर्क किया।
(ख) रेखा ने कहा, वह खेलने नहीं जाएगी।
(ग) वंश तेज दौड़ा, उसने इनाम जीता।
(घ) जॉन रो रहा था, उसे चोट लग गई थी।
(ङ) कोमल ने पढ़ाई की, उसे अच्छे अंक मिले।

6. निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) **उसके** पास गुड़ियाँ है। (ख) इस थैले में **क्या** है?
(ग) **कौन** रो रहा है? (घ) **मैं** विद्यालय जाता हूँ।

9 विशेषण

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं; जैसे–मीना सुंदर लड़की है। काला घोड़ा तेल दौड़ता है, आदि।

(ख) विशेषण जिस शब्द की विशेषता बताता है, उसे विशेष्य कहते हैं; जैसे–काला घोड़ा में घोड़ा विशेष्य है।

(ग) विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती हैं–1. मूलावस्था, 2. उत्तरावस्था, 3. उत्तमावस्था।

(घ) विशेषण पाँच प्रकार के होते हैं–1. गुणवाचक विशेषण, 2. संख्यावाचक विशेषण, 3. परिमाणवाचक विशेषण, 4. संकेतवाचक विशेषण, 5. व्यक्तिवाचक विशेषण।

1. **गुणवाचक विशेषण**–किसी प्राणी या वस्तु के गुण, दोष, रूप, रंग, आकार आदि बताने वाले शब्दों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे–भूरी भैंस, स्वस्थ बालक, गरीब आदमी आदि।
2. **संख्यावाचक विशेषण**–संज्ञा या सर्वनाम की संख्या बताने वाले शब्द संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे–चार आदमी, पाँच सेब, तीन खरगोश आदि।
3. **परिमाणवाचक विशेषण**–जो विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे–एक लीटर दूध, दो किलो आटा, थोड़ा पानी आदि।
4. **संकेतवाचक विशेषण**–जो विशेषण संज्ञा की ओर संकेत करते हैं, उन्हें संकेतवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे–यह मकान, ये बकरियाँ, वह लड़का, यह छतरी आदि।
5. **व्यक्तिवाचक विशेषण**–जो विशेषण व्यक्तिवाचक संज्ञाओं से बनाए जाते हैं, उन्हें व्यक्तिवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे–लखनवी कुर्ता, जयपुरी चुनरी, बनारसी साड़ी, पंजाबी नाच आदि।

2. उचित विशेषणों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) सचिन एक **अच्छा** लड़का है। (ख) ऊँट बहुत **ऊँचा** जंतु है।
(ग) ये संतरे **खट्टे** हैं। (घ) पुलिस की वर्दी **खाकी** होती है।
(ङ) यह लड़की **सुंदर** है।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✗)

4. निम्नलिखित वाक्यों में आए विशेषणों पर गोला बनाइए और उनका प्रकार लिखिए–

उत्तर–

(क)	मुझे थोड़ा पानी दे दो।	**परिमाणवाचक विशेषण**
(ख)	प्यासा कौआ यहाँ-वहाँ उड़ता रहा।	**संकेतवाचक विशेषण**
(ग)	कश्मीरी सेब को सभी पसंद करते हैं।	**व्यक्तिवाचक विशेषण**
(घ)	गली में चौथा मकान शिवानी का है।	**संख्यावाचक विशेषण**
(ङ)	कक्षा में पाँच छात्र बैठे हैं।	**संख्यावाचक विशेषण**

5. निम्नलिखित विशेषणों की अवस्थाएँ बताइए–

उत्तर–

(क)	शीघ्र	**मूलावस्था**	(ख)	सबसे अच्छा	**उत्तमावस्था**
(ग)	अधिक ऊँचा	**उत्तरावस्था**	(घ)	श्रेष्ठतम	**उत्तमावस्था**
(ङ)	निकटतर	**उत्तरावस्था**	(च)	सबसे गहरा	**उत्तमावस्था**
(छ)	प्रिय	**मूलावसथा**	(ज)	बड़ा	**मूलावस्था**

6. निम्नलिखित विशेषणों का विशेष्यों से उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

(क)	स्वस्थ	(i)	घोड़ा
(ख)	सुंदर	(ii)	व्यक्ति
(ग)	काला	(iii)	लड़के

10 क्रिया

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं; जैसे–प्रियंका नाचती है, आयुषी खाना खाती है, आदि।

(ख) कर्म के आधार पर क्रिया दो प्रकार की होती है–1. सकर्मक क्रिया, 2. अकर्मक क्रिया।

(ग) जिस क्रिया के साथ उसका कर्म हो, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

(घ) जिन वाक्यों में क्रिया के साथ कर्म नहीं होता, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं। उदाहरण–बच्चा रोता है, हाथी चलता है, आदि।

2. उचित क्रियाओं द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) माला गिटार **बजा रही है**। (ख) बच्चे गेंद से **खेल रहे हैं**।

(ग) घोड़ा घास **खाता है**। (घ) वायुयान आकाश में **उड़ता है**।

(ङ) बिल्ली सारा दूध **पी गई**। (च) लड़का साइकिल **चला रहा है**।

3. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाएँ रेखांकित कीजिए और बताइए कि ये अकर्मक हैं या सकर्मक?

उत्तर– (क) सकर्मक क्रिया (ख) सकर्मक क्रिया (ग) अकर्मक क्रिया

(घ) अकर्मक क्रिया (ङ) अकर्मक क्रिया

4. उचित क्रिया-शब्दों द्वारा कहानी पूरी लिखिए–

उत्तर– किसी जंगल में एक कछुआ तथा एक खरगोश **रहते थे**। दोनों में बड़ी मित्रता **थी**। खरगोश काफी फुर्तीला तथा चतुर **था**। एक दिन खरगोश ने कछुए से **कहा**, "आज हमारा तुम्हारा **हार-जीत** मुकाबला **हो जाए**।" कछुए ने उसकी बात **मान ली** और **जीत-हार** का फैसला **निश्चित हुआ**। तालाब तक पहुँचने का लक्ष्य **रखा गया**। खरगोश ने तेजी से छलाँग **लगायी और दौड़ने लगा**। कछुआ उसके पीछे-पीछे **चलने लगा**। कुछ दूर **दौड़ने** के बाद खरगोश थोड़ा-सा आराम **करने** के लिए एक पेड़ के नीचे **रुक गया** । थोड़ी ही देर में उसे नींद **आ गई**। कछुआ लगातार **चलता रहा**। जब खरगोश **जागा** तो वह तेजी से **भागा**। लेकिन तब तक काफी देर **हो चुकी थी**। खरगोश **हार गया**। कछुआ दौड़ **जीत गया**।

11 काल

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) क्रिया के जिस रूप से हमें कार्य के होने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते हैं।

(ख) काल के तीन भेद होते हैं–

1. वर्तमान काल–क्रिया का जो रूप वर्तमान समय में कार्य के होने का ज्ञान कराता है उसे वर्तमान काल कहते हैं; जैसे– रवि गाना गाता है।

2. भूतकाल–क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कार्य बीते हुए समय में

हो चुका है, उसे भूतकाल कहते है; जैसे– अर्चना ने कहानी पढ़ी।

3. भविष्यत् काल–क्रिया के जिस रूप से कार्य के भविष्य में होने का पता चलता है, उसे भविष्यत् काल कहा जाता है; जैसे– मैं कानपुर जाऊँगा।

(ग) क्रिया का जो रूप वर्तमान समय में कार्य के होने का ज्ञान कराता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

(घ) क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कार्य बीते हुए समय में हो चुका है, उसे भूतकाल कहते हैं; जैसे–अजय ने खाना खा लिया था। अर्चना ने कहानी पढ़ी।

(ङ) क्रिया के जिस रूप से कार्य के भविष्य में होने का पता चलता है, उसे भविष्यत् काल कहा जाता है।

भविष्यत् काल के तीन भेद होते हैं, जो निम्नलिखित हैं–(क) सामान्य भविष्यत् काल, (ख) संभाव्य भविष्यत् काल, (ग) हेतु-हेतुमद् भविष्यत् काल।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **काल** से हमें कार्य के होने के समय का पता चलता है।
(ख) काल के **तीन** भेद होते हैं।
(ग) काल का अर्थ **समय** होता है।
(घ) बीते हुए समय को **भूतकाल** कहा जाता है।
(ङ) आने वाले समय को **भविष्यत् काल** कहते हैं।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗)

4. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल का नाम लिखिए–

उत्तर– (क) पूर्ण भूतकाल (ख) सामान्य भविष्यत् काल
(ग) अपूर्ण वर्तमान काल (घ) सामान्य भविष्यत् काल
(ङ) वर्तमान काल

5. निम्नलिखित वाक्यों का काल-परिवर्तन कीजिए–

उत्तर– (क) सुरेश ने जल पिया था। (ख) तुम घर जा रहे हो।
(ग) राम पत्र पढ़ेगा।

6. निम्नलिखित क्रियाओं को तीन कालों में लिखिए–

उत्तर– (क)	पढ़ना	**पढ़ता है**	**पढ़ा**	**पढ़ेगा**
(ख)	लिखना	**लिखता है**	**लिखा**	**लिखेगा**
(ग)	दौड़ना	**दौड़ता है**	**दौड़ा**	**दौड़ेगा**
(घ)	सोना	**सोता है**	**सोया**	**सोएगा**
(ङ)	देखना	**देखता है**	**देखा**	**देखेगा**
(च)	खाना	**खाता है**	**खाया**	**खायेगा**

12 अविकारी शब्द

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जिन शब्दों में परिवर्तन नहीं होता और जो सदैव एक-सी स्थिति में रहते हैं, उन्हें अविकारी शब्द कहा जाता है।

(ख) जो अव्यय शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं।
जैसे–जल्दी चलो।रमा बहुत बोलती है।
यहाँ आओ। वह रोज पढ़ता है।
उपर्युक्त वाक्यों में आए सभी रंगीन शब्द क्रिया की विशेषता बता रहे हैं। अतः ये क्रियाविशेषण हैं।

(ग) जिस अव्यय शब्द से संज्ञा अथवा सर्वनाम का संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ प्रकट होता है, उसे संबंधबोधक अव्यय कहते हैं।

(घ) वे शब्द जो हर्ष, शोक, भय, आश्चर्य, करुणा, घृणा आदि भावों को प्रकट करते हैं, विस्मयादिबोधक अव्यय कहलाते हैं; जैसे–हाय, वाह, छिः आदि।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) सदैव एक-सी स्थिति में रहने वाले शब्दों को **अविकारी** शब्द कहते हैं।

(ख) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को **क्रियाविशेषण** कहते हैं।

(ग) क्रिया की रीति या ढंग बताने वाले शब्दों को **रीतिवाचक** क्रियाविशेषण कहा जाता है।

(घ) दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने का कार्य करने वाले शब्दों को **समुच्चयबोधक** अव्यय कहते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषण रेखांकित कीजिए–

उत्तर– (क) वह परसों जाएगा। (ख) तुम यहाँ क्यों बैठे हो?

(ग) मोनिका ज्यादा बोलती है। (घ) घोड़ा तेज दौड़ता है।

4. निम्नलिखित वाक्यों में से संबंधबोधक अव्यय छाँटकर लिखिए–

उत्तर– (क) के ऊपर (ख) के किनारे

(ग) के निकट (घ) के ऊपर

5. निम्नलिखित वाक्यों में से समुच्चयबोधक अव्यय चुनकर लिखिए–

उत्तर– (क) और (ख) ताकि

(ग) लेकिन (घ) क्योंकि

6. समुच्चयबोधक अव्यय का प्रयोग कर वाक्य पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) वह परीक्षा नहीं दे सका **क्योंकि** बीमार था।

(ख) रोहित छोटा है, **किंतु** साहसी है।

(ग) मैंने उससे कुछ लिया नहीं, **बल्कि** दिया ही है।

(घ) श्याम **और** रवि मित्र हैं।

(ङ) जीवन में आनंद चाहते हो, **तो** प्रसन्न रहो।

7. विस्मयादिबोधक अव्यय लगाकर रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **हे भगवान**! कितनी सरदी पड़ रही है।

(ख) **हाय**! जालिमों ने उसे मार डाला।

(ग) **हट**! मेरे सामने से दूर हो जा।

(घ) **वाह**! तुमने तो कमाल कर दिया।

(ङ) **अरे**! यह तो पीछे पड़ गया।

13 वाच्य

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) क्रिया के जिस रूप से उसके कर्ता, कर्म या भाव के अनुसार होने का पता चलता है, उसे वाच्य कहते हैं।

(ख) वाच्य तीन प्रकार के होते हैं–1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य 3. भाववाच्य।

(ग) जिस वाक्य की क्रिया कर्म के अनुसार होती है, उसे कर्मवाच्य कहते हैं।

(घ) क्रिया के जिस रूप में कर्ता प्रधान होता है, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।

(ङ) क्रिया के जिस रूप में कर्ता और कर्म की प्रधानता न होकर भाव की प्रधानता होती है, उसे भाववाच्य कहते हैं।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) वाच्य के **तीन** भेद होते हैं।

(ख) जिस वाक्य की क्रिया कर्ता के अनुसार होती है, उसे **कर्तृवाच्य** कहते हैं।

(ग) वाक्य की क्रिया का कर्म के अनुसार होना **कर्मवाच्य** कहलाता है।

(घ) भाववाच्य की क्रिया सदा एकवचन, पुल्लिग तथा **अकर्मक** होती है।

(ङ) कर्मवाच्य में **कर्म** प्रधान होता है।

3. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाएँ अलग करके लिखिए–

उत्तर– (क) पीता हूँ। (ख) लिख सकती। (ग) खेल रहा है।

(घ) दे गया। (ङ) बेच रहा है। (च) सो रहा है।

(छ) पढ़ती है।

4. कर्तृवाच्य को भाववाच्य में बदलिए–

उत्तर– (क) नैना से नहीं पढ़ा जाता। (ख) मौसी से नहीं आया गया।

(ग) नरेंद्र से नहीं नाचा जाता।

(घ) हमसे एक साथ नहीं गाया जाएगा।

(ङ) आरती से प्रतिदिन नहीं नहाया जाता।

(च) उससे सोया नहीं जाता। (छ) राजन से दौड़ा जा रहा है।

(ज) उससे चला जाता है।

14 विराम-चिह्न

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) अर्थ को स्पष्ट करने के लिए वाक्य में जो चिह्न लगाए जाते हैं, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

(ख) लिखते समय वाक्य में एक शब्द को दूसरे से अलग दिखाने तथा जहाँ थोड़ा रुकना आवश्यक हो, वहाँ अल्प विराम (,) का प्रयोग किया जाता है; जैसे–गंगा, यमुना, कृष्णा, ब्रह्मपुत्र देश की प्रमुख नदियाँ हैं।

(ग) वाक्य के समाप्त हो जाने पर खड़ी लकीर के रूप में (।) चिह्न लगाया जाता है, इसे पूर्ण विराम कहते हैं।

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) नैना, छवि और रुचि कक्षा तीन में पढ़ती हैं।
(ख) बैठे-बैठे, राम-राम ही भज लिया करो।
(ग) अब कहाँ जाओगे?
(घ) अरे! तुम तो चूहे से डर गए।
(ङ) प्रशान्त नाम का एक राजा था।

3. निम्नलिखित वाक्यों में गलत विराम-चिह्न लग गए हैं। उन्हें ठीक करके वाक्य दोबारा लिखिए–

उत्तर– (क) हे भगवान! अब गरमी कम करो।
(ख) तुमने कविता याद की।
(ग) कल मुझे एक नई साइकिल मिली।
(घ) शिवानी, रमा और मंजुला बातें कर रही हैं।

4. निम्नलिखित का उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

अ	ब
पूर्ण विराम	?
प्रश्नवाचक चिह्न	–
योजक	।

अ	ब
अल्प-विराम	–
विस्मयादिबोधक चिह्न	,
निर्देशक चिह्न	!

15 शुद्ध वर्तनी

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

उत्तर–

(क)	क्षात्र	**छात्र**	(ख)	छूट्टी	**छुट्टी**
(ग)	गुन	**गुण**	(घ)	बुढ़ा	**बूढ़ा**
(ङ)	भुमी	**भूमि**	(च)	सनसार	**संसार**
(छ)	हंसना	**हँसना**	(ज)	पड़ौस	**पड़ोस**
(झ)	सडक	**सड़क**	(ञ)	पुजा	**पूजा**
(ट)	वरमा	**वर्मा**	(ठ)	निषा	**निशा**
(ड)	कृया	**क्रिया**	(ढ)	भाशा	**भाषा**

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

	शुद्ध वाक्य		**शुद्ध वाक्य**
(क)	तुम्हें क्या काम है?	(ख)	लड़की जाती है।
(ग)	पिताजी कार्यालय गए।	(घ)	मेरी चप्पल खो गयी है।
(ङ)	घोड़ा घास खाता है।	(च)	आज सोमवार है।
(छ)	बिल्ली छत पर बैठी है।	(ज)	लोग कहते हैं।
(झ)	आपके बाल लंबे हैं।	(ञ)	तेरे दादाजी आए हैं।

3. नीचे कुछ शुद्ध तथा अशुद्ध शब्द आपस में मिल गए हैं, इन्हें अलग करके उपयुक्त स्तंभों में लिखिए–

उत्तर–

शुद्ध शब्द	**अशुद्ध शब्द**
सूर्य, आदर्श	दुस्कर, सदैव
हानि, लक्ष्मी	चांद, प्रमात्मा
बुद्धि, प्राण	गुन, पुन्य
नक्षत्र, दवात	कवी
धर्म, चिह्न	अगामी, ग्रहिणी

16 विलोम शब्द

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जो शब्द किसी शब्द का विपरीत (उल्टा) अर्थ बताते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं; जैसे–रात का विलोम है दिन।

(ख) 'सुंदर-**असुंदर**', 'अंदर-**बाहर**' तथा 'गुण का विलोम **दोष**' है।

2. रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) **नकद** मैं आज से सामान **नकद** ही खरीदूँगा।

(ख) **दूर** तुम्हारी बहन **दूर** के स्कूल में पढ़ती है।

(ग) **शाम, पुराने** मैंने **शाम पुराने** कपड़े पहने थे।

(घ) **कोमल** मेरे पिता जी बहुत **कोमल** स्वभाव के हैं।

3. स्तंभ क के शब्दों का स्तंभ ख के विलोम शब्दों से उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

स्तंभ 'क'	**स्तंभ 'ख'**
(क) अमृत	(viii) विष
(ख) आदर	(vii) अनादर
(ग) उत्तीर्ण	(vi) अनुत्तीर्ण
(घ) उपकार	(v) कोमल
(ङ) पाप	(iv) दोष
(च) मित्र	(iii) शत्रु
(छ) गुण	(ii) पुण्य
(ज) कठोर	(i) अपकार

17 पर्यायवाची शब्द

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) समान अर्थ देने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द या समानार्थी शब्द कहलाते हैं।

(ख) पर्यायवाची शब्दों को 'समानार्थी शब्द' भी कहते हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

(क)	आग	**अग्नि**	**पावक**	**अनल**
(ख)	घोड़ा	**अश्व**	**तुरंग**	**हय**

(ग) घर **गृह** **सदन** **आवास**
(घ) माता **माँ** **जननी** **अंबा**
(ङ) सिंह **केसरी** **वनराज** **शेर**

3. निम्नलिखित शब्दों में से जो शब्द मूल शब्द के समानार्थी नहीं हैं, उन पर गोला (◯) बनाइए–

उत्तर– (क) अध्यापक – शिक्षक (चालक) गुरु
(ख) धरती – (वृक्ष) भूमि धरा
(ग) रात – निशा रात्रि (वस्त्र)
(घ) सूर्य – भानु (मेघ) भास्कर
(ङ) हाथी – (पादप) गज हस्ती
(च) पहाड़ – नग (जलज) अचल

18 वाक्यांश के लिए एक शब्द

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) सदाचारी (ख) धनी (ग) दुराचारी (घ) मृदुभाषी
(ङ) असंभव (च) अदृश्य (छ) निराकार (ज) सत्यवादी
(झ) मांसाहारी (ञ) अल्पज्ञ

2. सही विकल्प के सामने (✓) का निशान लगाइए–

उत्तर– (क) जिसका बहुत मूल्य हो – अमूल्य बहुमूल्य (✓) दुर्लभ
(ख) जो सदा रहे – अजर अमर (✓) अगर
(ग) अधिक बोलने वाला – वाचाल (✓) मितभाषी कठोर
(घ) साथ पढ़ने वाला – पड़ोसी सहपाठी (✓) मित्र

19 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) विशेष अर्थ को प्रकट करने वाले वाक्यांश मुहावरे कहलाते हैं।
(ख) मुहावरों के प्रयोग से भाषा प्रभावशाली, सरल व सुंदर बनती है।

2. मुहावरों/लोकोक्तियों का अर्थ सहित वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) **ढ़ाढस बँधाना**–शिवाजी ने ब्राह्मणों के **आँसू पोंछे** और कहा कि मैं दुष्टों को कठोर दंड दूँगा।
(ख) **गुणहीनों में थोड़ा गुणवान**–पूरे गाँव में एक पटवारी ही थोड़ा पढ़ा-लिखा है, बस वही **अंधों में काना राजा** है।
(ग) **तैयार होना**–शत्रुओं का मुकाबला करने के लिए हमारे सैनिकों ने **कमर कस ली** है।
(घ) **एक साथ दोहरा लाभ**–मुझे दिल्ली तो जाना ही है, लालकिला भी देख

आऊँगा। इसे कहते हैं–**एक पंथ दो काज**।

(ङ) **किसी की वीरता को स्वीकार करना**–अंग्रेजों ने रानी लक्ष्मीबाई का युद्ध कौशल देखकर **लोहा मान लिया था**।

(च) **अपनी योग्यता**–तुमने एक-दो कविताएँ क्या लिख ली, स्वयं को महान कवि समझने लगे। यह से बढ़कर बातें करना तो **छोटा मुँह बड़ी बात हुई न**।

3. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों का उनके अर्थ से उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

(क) अक्ल का अंधा	कपटी मित्र
(ख) काला अक्षर भैंस बराबर	मूर्ख
(ग) आस्तीन का साँप	अनपढ़ व्यक्ति
(घ) ईंट से ईंट बजाना	गँवा देना
(ङ) टेढ़ी खीर	स्वयं मुसीबत मोल लेना
(च) हाथ धो बैठना	नष्ट करना
(छ) आ बैल मुझे मार	कठिन काम

4. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

(क) बहुत तंग करना
(ख) बहुत प्यारा
(ग) प्रतिष्ठा की ओर बढ़ना
(घ) बहुत प्रिय
(ङ) ढाढ़स बंधाना
(च) तैयार होना
(छ) घर की वस्तु का मूल्य न समझना
(ज) ओछा आदमी बहुत ही इतराता है
(झ) अपना मतलब निकालना
(ञ) रुठना
(ट) एकमात्र सहारा
(ठ) बहुत ऊँचा होना
(ड) बहुत प्रयास करना
(ढ) बुरी तरह हरा देना
(ण) धोखा देना
(त) पोल खुलना

20 अपठित गद्यांश

खंड 'ख' : रचना

प्रश्न-अभ्यास

- **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

पेड़-पौधे हमारे जीवन ..... वृक्षारोपण करना चाहिए।

(क) प्रश्न–गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए।

उत्तर– पेड़-पौधों का महत्व।

(ख) प्रश्न–पेड़-पौधों के लाभ लिखिए।

उत्तर– पेड़-पौधों से हमें निम्न लाभ हैं–पेड़-पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। हमारे जीवन की आवश्यक वस्तुएँ; जैसे–फल-फूल, अन्न, सब्जियाँ, कपास, लकड़ियाँ, रबड़ आदि इन्हीं से प्राप्त होती हैं। ये वातावरण को शुद्ध करते हैं।

(ग) प्रश्न–नदियाँ सुंदर रूपों में कैसे बहती हैं?

उत्तर– नदियाँ वन्य क्षेत्रों में भूमि का कटाव रोकने से सुंदर रूपों में बहती हैं।

(घ) प्रश्न–जड़ी-बूटियाँ कहाँ से प्राप्त होती हैं तथा वे किस काम आती हैं?

उत्तर– जड़ी-बूटियाँ पेड़-पौधों से प्राप्त होती हैं और वे औषधि बनाने में काम आती हैं।

21 पत्र-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

- **कक्षा में श्यामपट्ट लगवाने हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए।**

उत्तर– श्यामपट्ट लगवाने हेतु-पत्र

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,

.....

.....

मान्यवर,

निवेदन है कि हम कक्षा 3 के सभी विद्यार्थी आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहते हैं कि हमारी कक्षा के श्यामपट्ट का रंग कई स्थानों पर मध्यम पड़ गया है। इसके कारण अनेक बार हमें उस पर खिले हुए वाक्यों को पढ़ने में असुविधा का सामना करना पड़ता है। कृपया इस संबंध में उचित कार्यवाही करें।

धन्यवाद।

आपके आज्ञाकारी शिष्य

समस्त विद्यार्थी

कक्षा-3

- **मित्र को जन्मदिन की बधाई देने के लिए पत्र लिखिए।**

उत्तर– 20-ए, चाणक्यपुरी

नई दिल्ली

दिनांक : .....

प्रिय मित्र अजय,

सप्रेम नमस्कार।

आशा है तुम स्वस्थ और प्रसन्न होंगे। मुझे आज ही तुम्हारा जन्म-दिन का निमंत्रण-पत्र मिला। इसके लिए धन्यवाद। अपने जन्म-दिन पर मेरी बाधाई स्वीकार करो। ईश्वर तुम्हें दीर्घायु करें।

मुझे खेद है कि मैं इस शुभ अवसर पर उपस्थित नहीं हो सकूँगा, क्योंकि उन दिनों विद्यालय में मेरी मासिक परीक्षा हैं। आशा है कि तुम मेरी मजबूरी समझोगे।

अपने माताजी-पिताजी को मेरा प्रणाम कहना।

धन्यवाद।

तुम्हारा प्रिय मित्र,

विकास राज

- **अपने छोटे भाई को छुट्टियों में घर बुलाने हेतु पत्र लिखिए।**

उत्तर– स्थान : छात्रावास

दर्शन विद्यालय,

देहरादून।

दिनांक : 28 जनवरी 20XX

संबोधन : आदरणीय भाई साहब,
अभिवादन : सादर प्रणाम।
विषय वस्तु : कल आपका पत्र प्राप्त हुआ। उससे सबकी कुशलता का समाचार मिला। मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ। अगले माह हमारे टैस्ट हैं। आजकल उसी की तैयारी में लगा हुआ हूँ। टैस्टों के बाद चार दिन का अवकाश मिलेगा, जिसमें मैं घर आने का प्रयास करूँगा।
समाप्ति : शेष कुशल। माताजी और पिताजी को चरण स्पर्श।
शिष्टाचार के शब्द : आपका प्रिय भाई
हस्ताक्षर : अनुभव

22 कहानी-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

- **संकेत बॉक्स में दिए गए संकेतों के आधार पर कहानी लिखिए–**

उत्तर– सोनू मुर्गी का प्यारा बच्चा था। वह बहुत जिद्दी और **नटखट** था। वह अपनी माँ लाल मुर्गी के बार-बार मना करने पर भी इधर-उधर **भागता** फिरता था। लाल मुर्गी सोनू को समझाती थी कि तुम बहुत छोटे हो, मेरे **साथ-साथ** रहा करो। मैं तुम्हें दाने ढूँढ़ना सिखाऊँगी। सोनू कुछ देर तक तो माँ की बात याद रखता, फिर भूल जाता था। एक दिन सोनू अपनी माँ के साथ दाने की **खोज** में बाहर निकला। उसे कुछ दूरी पर मटर के **हरे-भरे** दाने दिखाई पड़े। वह माँ की बात भूल कर **मटर** के पास गया। वह मटर खाने लगा। अचानक मटर का एक सख्त **दाना** उसके गले में अटक गया। वह रोने लगा। उधर जब मुर्गी ने सोनू को देखा तो उसने दाना निकालने की कोशिश की, पर वह दाना नहीं निकाल पाई। मुर्गी ने सोचा कि उसका मित्र बगुला उसकी मदद कर सकता है। वह बगुले को बुलाकर लाई और उसने अपनी **लंबी चोंच** से दाना निकाल दिया। सोनू को अपनी **गलती** का एहसास हुआ और उसने अपनी माँ से माफ़ी माँगी।

23 निबंध-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

निम्नलिखित पर निबंध लिखिए–

उत्तर– मेरा प्रिय अध्यापक

- सत्यदेव 'सरल' मेरे प्रिय अध्यापक हैं।
- उनकी आयु अभी तीस वर्ष है।
- वे हमें हिंदी ओर संस्कृत पढ़ाते हैं।
- वे अपने विषयों में पूरी तरह कुशल हैं।
- वे बड़े योग्य ओर अनुभवी हैं।
- वे बड़े अनुशासन-प्रिय हैं।
- उनका पढ़ाने का ढंग बहुत सुंदर हैं।

- फुटबॉल का खेल उन्हें बहुत प्रिय है।
- सभी छात्र उनका बहुत सम्मान करते हैं।
- वे भी सब छात्रों को पुत्र के समान समझते हैं।
- उनकी कक्षा के सभी विद्यार्थी बड़े ध्यान से पाठ सुनते हैं।
- वे सदा कठिन दृश्य-श्रव्य साधनों का प्रयोग करते हैं।
- अध्यापकों और विद्यार्थियों के साथ उनका व्यवहार बहुत अच्छा है।
- ईश्वर उनको दीर्घायु प्रदान करें।

कंप्यूटर

आधुनिक युग में कंप्यूटर का सबसे अधिक महत्व है। कंप्यूटर आधुनिक विज्ञान की सबसे बड़ी देन है। इसके आविष्कार ने प्रत्येक क्षेत्र में क्रांति ला दी है। कंप्यूटर का प्रयोग निरंतर बढ़ता जा रहा है। आज हर व्यक्ति कंप्यूटर से परिचित है और इसके संबंध में जानने और सीखने की इच्छा रखता है। लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आज कंप्यूटर का प्रयोग किया जा रहा है। आज कंप्यूटर की शक्ति सब जगह हावी है। कल-कारखानों व्यापारिक संस्थानों, उत्पादन केंद्रों, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों से लेकर शैक्षिक संस्थानों और चिकित्सा केंद्रों में भी आज कंप्यूटर ने अपनी धाक जमा ली है।

गणित के जटिल-से-जटिल प्रश्नों को हल करना हो, दुश्मन के आक्रमण की सुचना देनी हो, वायुयान उड़ाना हो या ई-मेल आदि डाक बाँटनी हो, मौसम संबंधी भविष्यवाणियाँ करनी हों, समाचार अथवा सूचनाएँ प्रेषित करना हो, यात्रा-पूर्व आरक्षण कराना हो या अध्ययन विश्लेषण करना हो, आज कंप्यूटर द्वारा सब-कुछ संभव है। कंप्यूटर निर्माण की कल्पना एवं उसे साकार रूप देने का श्रेय अंग्रेज वैज्ञानिक चार्ल्स बैवेज को है।

वर्तमान समय में कंप्यूटर के प्रयोग के आधार पर कंप्यूटर को तीन भागों में बाँटा जा सकता है। पहला भाग संग्रहण का है, जिसमें जानकारियाँ एकत्रित की जा सकती हैं। दूसरे भाग में नियमों ओर प्रक्रियाओं का क्रियान्वयन किया जाता है तथा तीसरे भाग में, नियंत्रक से यह जाना जाता है कि नियमों एवं प्रतिनियमों का उचित ढंग से पालन हो रहा है या नहीं।

वैज्ञानिक ऐसे कंप्यूटरों की खोज में लगे हैं जो सोच-विचार भी कर सकते हैं। परंतु कंप्यूटर कभी भी मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं ले सकेगा; क्योंकि कंप्यूटर केवल वे ही परिणाम एवं सूचनाएं दे सकता है, जिसका डाटा उसमें भरा जाता है। कंप्यूटर मानव मस्तिष्क की चेतना, ज्ञान, इच्छा और कर्म की श्रृंखला को नहीं पा सकता। फिर भी कंप्यूटर अनेक रोगों, दुर्घटनाओं प्राकृतिक आपदाओं ओर संकटों आदि से मनुष्य जाति की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

गणतंत्र दिवस

सदियों की गुलामी के बाद 15 अगस्त, 1947 को हमारा देश स्वतंत्र हुआ। देश के लिए नया संविधान बनाया गया। 26 जनवरी, 1950 को नया संविधान लागू किया गया। तभी से 26 जनवरी के दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

गणतंत्र का अर्थ है-'जनता की अपनी सरकार'। संविधान के द्वारा लोगों को यह अधिकार दिया गया कि वे अपने मतदान के द्वारा अपनी पसंद की सरकार चुनें। यदि सरकार जनता की इच्छाओं को पूरा नहीं करती है तो अगले चुनाव में जनता उसको मत नहीं देती है। इस प्रकार संविधान के द्वारा हमारे देश में 'लोकतंत्र' की स्थापना हुई।

गणतंत्र दिवस समारोह बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है। इस दिन पूरे देश में अवकाश रहता है। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह राजधानी नई दिल्ली में होता है। राजपथ पर तीनों सेनाओं की परेड होती है। राष्ट्रपति इस परेड का अभिवादन स्वीकार करते हैं। सभी स्कूल, कॉलेज तथा संस्थाएँ गणतंत्र दिवस उत्साहपूर्वक मनाते हैं। गणतंत्र दिवस का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है।

दीपावली

दीवाली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। कहा जाता है कि श्रीरामचंद्र जी द्वारा लंका पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटने की खुशी के उपलक्ष्य में यह त्योहार मनाया जाता है।

दीपावली का त्योहार बड़े आनंद का है। वर्षा ऋतु की समाप्ति के पश्चात अनेक त्योहारों का आगमन होता है। इस त्योहार के आने पर घर-द्वारों की सफाई की जाती है। चारों ओर लोग घरों-दुकानों की सजावट में लगे रहते हैं। बिजली की रंग-बिरंगी बत्तियों से मकान तथा दुकानें जगमगाने लगती हैं। इन्हें देखकर ऐसा जान पड़ता है जैसे हीरे, जवाहरात जड़ दिए गए हों। सभी लोग बहुत प्रसन्न जान पड़ते हैं।

दीपावली से दो दिन पूर्व धन-त्रयोदशी होती है। इसके पश्चात् छोटी दीवाली आती है। अमावस्या को दीपावली का मुख्य उत्सव होता है। इस दिन प्रातःकाल से ही घरों में बड़ी चहल-पहल होती है। लोग बाजार से मिठाइयाँ, फल, खील-बताशे, मिट्टी के दीये आदि लाते हैं। बच्चे फुलझड़ियाँ ओर पटाखे खरीदते हैं।

सायं के समय दीपक प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। अमावस्या की अँधेरी रात भी पूर्णिमा की तरह चमक उठती है। रात को लोग घरों ओर दुकानों पर लक्ष्मी-पूजन करते हैं। इसके पश्चात् प्रसाद वितरण होता है। लोग अपने मित्रों और संबंधियों में मिठाइयाँ बाँटते हैं। बालक पटाखे छुड़ाते हैं। वास्तव में यह आनंद और उत्साह का अनुपम पर्व है।

माँ

माँ धरती पर भगवान का रूप होती है। वह हमें जन्म देती है तथा हमारा पालन-पोषण करती है। हमें पढ़ा-लिखाकर योग्य बनाती है। परिवार के सभी सदस्यों में वह सबसे पहले उठती है तथा बाद में सोती है। पूरे परिवार की देखभाल करना अपना कर्त्तव्य तथा धर्म समझती है। हमें समय पर उठने, हमारे लिए नाश्ता बनाने, स्कूल समय पर भेजने जैसे समस्त कार्य माँ जिम्मेदारी से करती है। 'रामायण', 'महाभारत' तथा 'पंचतंत्र' की कहानियाँ सुनाकर उनसे सीख का उपदेश देते समय वह हमें योग्य गुरु लगती है। वीर शिवाजी की योग्यता का श्रेय उनकी माता जीजाबाई को ही जाता है, जोकि उन्हें शिक्षाप्रद कहानियाँ सुनाया करती थीं। प्रातः उठकर माँ के चरण छूकर आशीष लेने वाले बच्चों के जीवन में कष्ट नहीं आ सकते। हमारी संस्कृति मानती है कि माँ के पाँवों तले जन्नत होती है। हम सभी को अपनी माँ का सम्मान करना चाहिए।

1 भाषा और व्याकरण

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) भाषा वह माध्यम है जिसके द्वारा मनुष्य अपने मन के भावों व विचारों का अन्य लोगों से आदान-प्रदान करता है।
भाषा के दो रूप हैं–1. मौखिक भाषा तथा 2. लिखित भाषा।

(ख) **मौखिक भाषा**–जब हम लोगों को मुख से बोलकर अपनी बात समझाते हैं या कहते हैं तो भाषा का यह रूप मौखिक/कथित/उच्चरित भाषा कहलाता है।
लिखित भाषा–जब हम अपने मित्रों, संबंधियों या परिचितों को लिखकर अपनी बात समझाते हैं तो भाषा का यह रूप लिखित भाषा कहलाता है।

(ग) हमारे देश की राष्ट्रभाषा हिंदी है।

(घ) व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।

(ङ) भाषा को चिह्नों द्वारा प्रकट करने के माध्यम को लिपि कहते हैं। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी हैं।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) हमारे देश के अलग-अलग राज्यों में **अलग-अलग** भाषाएँ बोली जाती हैं।

(ख) मौखिक भाषा को **कथित** भाषा भी कहते हैं।

(ग) संस्कृत **देवनागरी** लिपि में लिखी जाती है।

(घ) भाषा को लिखने के लिए जिन ध्वनि-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें **लिपि** कहते हैं।

(ङ) **व्याकरण** से हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✗)

4. निम्नलिखित भाषाओं की लिपियों के नाम लिखिए–

उत्तर–

भाषा	**लिपि**	**भाषा**	**लिपि**
हिंदी	**देवनागरी**	अंग्रेजी	**रोमन**
उर्दू	**फारसी**	बंगला	**बाँग्ला**
पंजाबी	**गुरुमुखी**	संस्कृत	**देवनागरी**
तमिल	**तमिल**	मराठी	**देवनागरी**

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– (क) सीता खाना खा रही है।

(ख) मछली तैर रही है।

(ग) नमन विद्यालय जाता है।

(घ) मोर नाच रहा है।

2 वर्ण-विचार

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके और खंड नहीं किए जा सकते हैं, वर्ण कहलाती है।

(ख) व्यवस्थित क्रम में लिखे गए वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

वर्णमाला

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड (ड़)	ढ (ढ़)	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र			

(ग) वे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय मुख से निकलने वाली वायु के मार्ग में कोई रुकावट नहीं होती, स्वर कहलाते हैं।

(घ) उच्चारण के आधार पर व्यंजन को तीन भागों में बाँटा गया है–1. स्पर्श व्यंजन, 2. अंतःस्थ व्यंजन, 3. ऊष्म व्यंजन।

(ङ) हिंदी वर्णमाला में स्वरों और व्यंजनों के अतिरिक्त दो अन्य वर्ण भी हैं–अं और अः। ये दोनों वर्ण स्वरों के बाद लिखे जाते हैं, परंतु ये न तो स्वरों की गणना में आते हैं और न ही व्यंजनों की। स्वरों के साथ प्रयोग किए जाने के कारण ये व्यंजन भी नहीं बन पाते तथा स्वतंत्र रूप से प्रयोग न किए जाने के कारण इन्हें स्वर भी नहीं कहा जा सकता।

किसी के भी साथ स्थान न पाने के कारण इन्हें अयोगवाह कहा जाता है।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) वह छोटी-से-छोटी ध्वनि जिसके और खंड न किए जा सकें **वर्ण** कहलाती है।

(ख) स्वरों के **तीन** भेद होते हैं।

(ग) दीर्घ स्वरों की संख्या **सात** होती है।

(घ) उच्चारण के आधार पर व्यंजन **तीन** प्रकार के होते हैं।

(ङ) अं व अः **अयोगवाह** कहलाते हैं।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✗)

4. निम्नलिखित स्वरों के सामने इनकी मात्राएँ लिखिए–

उत्तर– आ ा ऊ ू ऋ ृ औ ौ
ई ी ऐ ै इ ि ए े

5. निम्नलिखित द्वित्व व्यंजनों से दो-दो शब्द बनाइए–

उत्तर– क्क **चक्कर, मक्का** च्च **सच्चा, बच्चा**
म्म **सम्मान, निकम्मा** ल्ल **बिल्ली, छल्ला**

6. अनुस्वार, अनुनासिक और विसर्ग के प्रयोग से चार-चार शब्द बनाइए–

उत्तर–

अनुस्वार	**कंधा**	**चंचल**	**गंगा**	**रंग**
अनुनासिक	**चाँद**	**आँख**	**हँस**	**मुँह**
विसर्ग	**अतः**	**पुनः**	**प्रातः**	**नमः**

3 शब्द-विचार

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं; जैसे–अध्यापिका, कमीज, कमल, भालू आदि।

(ख) शब्दों का वर्गीकरण चार आधारों पर किया जा सकता है–1. अर्थ के आधार पर, 2. उत्पत्ति के आधार पर, 3. रचना के आधार पर, 4. प्रयोग के आधार पर।

(ग) सार्थक शब्द चार प्रकार के होते हैं–(i) पर्यायवाची शब्द, (ii) एकार्थी शब्द, (iii) अनेकार्थी शब्द, (iv) विलोमार्थी शब्द।

(i) **पर्यायवाची शब्द**–जिन शब्दों के अर्थ में समानता हो, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं; जैसे–पहाड़ के पर्यायवाची शब्द हैं–अचल, गिरि, पर्वत, भूधर आदि।

(ii) **एकार्थी शब्द**–जिन शब्दों का अर्थ सदा समान रहता है, उन्हें एकार्थी शब्द कहते हैं; जैसे–पुस्तक, लोहा, आकाश तथा दीवार आदि।

(iii) **अनेकार्थी शब्द**–जो शब्द प्रयोग के अनुसार विभिन्न परिस्थितियों में भिन्न-भिन्न अर्थ देते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं; जैसे–
उत्तर, उत्तर दिशा, जवाब
गुरु, शिक्षक, श्रेष्ठ, बड़ा, भारी

(iv) **विलोमार्थी शब्द**–एक-दूसरे का विपरीत अर्थ प्रकट करने वाले शब्द विलोमार्थी शब्द कहलाते हैं; जैसे–आगे-पीछे, कम-अधिक, ऊँच-नीच, जीवन-मृत्यु आदि।

(घ) प्रयोग के आधार पर शब्दों के दो भेद होते हैं–(क) विकारी शब्द, (ख) अविकारी शब्द।

(ङ) **रूढ़ तथा यौगिक शब्दों में अंतर**
रूढ़ शब्द–वे शब्द जिनके सार्थक खंड न किए जा सकते हों, रूढ़ शब्द

कहलाते हैं। जैसे–रोटी, मेज, फल तथा बकरी आदि।

इन शब्दों के खंड करने पर इनका कोई अर्थ नहीं निकलता; जैसे–रोटी (रो + टी), मेज (मे + ज), बकरी (ब + क + री)।

यौगिक शब्द–वे शब्द जो दो शब्दों के मेल से बने हों और इन शब्दों के प्रत्येक खंड का कोई अर्थ अवश्य हो, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं; जैसे–बैलगाड़ी (बैल + गाड़ी), रसोईघर (रसोई + घर), रिक्शावाला (रिक्शा + वाला), जलयान (जल + यान) आदि।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) वर्णों के सार्थक समूह को **शब्द** कहते हैं।

(ख) शब्दों को **चार** आधारों पर बाँटा जा सकता है।

(ग) जो शब्द स्वतंत्र रूप से किसी अर्थ का बोध नहीं कराते, वे **निरर्थक** शब्द कहलाते हैं।

(घ) उत्पत्ति का अर्थ है– **जन्म**।

(ङ) ऐसे शब्द जिनके सार्थक खंड न किए जा सकते हों, **रूढ़ शब्द** कहलाते हैं।

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) उत्तर = **उत्तर दिशा, जवाब** (ख) गुरु = **शिक्षक, श्रेष्ठ**

(ग) कर = **किरण, हाथ** (घ) सोना = **कनक, धतूरा**

4. निम्नलिखित शब्दों में से रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़ शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– रूढ़ = **गाड़ी, घर, बल, पहाड़, बीमार, दीवार**

यौगिक = **जलयान, राजदूत, सेनापति**

योगरूढ़ = **नीलकंठ, दशानन, जलज**

5. निम्नलिखित तत्सम शब्दों का तद्भव शब्दों से उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

तत्सम शब्द		**तद्भव शब्द**
(क) मस्तक		(i) चैत
(ख) अंगुली		(ii) पाँच
(ग) अष्ट		(iii) सावन
(घ) नव		(iv) आठ
(ङ) पंच		(v) उँगली
(च) चैत्र		(vi) नौ
(छ) श्रावण		(vii) माथा

4 संज्ञा

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) किसी प्राणी,वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

(ख) संज्ञा के पाँच भेद होते हैं–

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा; जैसे–इंदिरा गांधी, रामायण, मेरठ, आगरा आदि।

(ii) जातिवाचक संज्ञा; जैसे–पेड़, बतख, नदी, शेर आदि।
(iii) भाववाचक संज्ञा; जैसे–गरीबी, वीरता, खुश, सुंदरता आदि।
(vi) समूहवाचक संज्ञा; जैसे–परिवार, गुच्छा, भीड़, दल आदि।
(v) द्रव्यवाचक संज्ञा; जैसे–सोना, लकड़ी, तेल, पारा आदि।

(ग) जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध होता है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

(घ) वे शब्द जिनसे किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, धर्म, दशा, स्वभाव आदि का बोध होता है, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे–गरीबी, मिठास, सुंदरता, खुशी, कोमलता, वीरता आदि।

(ङ) वे शब्द जिनसे किसी समूह, समुदाय या झुंड इत्यादि का बोध होता है, समूहवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे–सेना, कक्षा, परिवार, सभा, गुच्छा, दल, भीड़ आदि।

(च) वे शब्द जिनसे किसी पदार्थ का बोध हो और उन पदार्थों से अन्य वस्तुएँ भी बनाई जा सकती हों, द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे–सोना, चाँदी, लकड़ी, तेल, गेहूँ, ऊन, पारा, घी, तेल आदि।

2. बॉक्स से सही संज्ञा शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) लालकिला **दिल्ली** में है। (ख) **नदी** बह रही है।
(ग) मेरे देश का नाम **भारत** है। (घ) **मानवता** से बड़ा कोई गुण नहीं है।
(ङ) पिता जी कल **मुंबई** जाएँगे।

3. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

उत्तर–

(क)	मित्र	**मित्रता**	(ख)	पराया	**परायापन**
(ग)	कोमल	**कोमलता**	(घ)	नीच	**नीचता**
(ङ)	सम	**समानता**	(च)	पंडित	**पंडिताई**
(छ)	अपना	**अपनापन**	(ज)	सुंदर	**सुंदर**

4. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों को उनके उचित स्तंभों में लिखिए–

उत्तर–

जातिवाचक संज्ञा	**व्यक्तिवाचक संज्ञा**	**समूहवाचक संज्ञा**	**भाववाचक संज्ञा**
रामायण	लड़का	झुंड	वीरता
ओडिशा	नदी	कक्षा	दानवता
हिमालय	स्त्री	सभा	शत्रुता
गंगा	घर	दल	अच्छाई

5 संज्ञा : लिंग

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) शब्द के जिस रूप से पुरुष या स्त्री जाति की पहचान हो उसे लिंग कहते हैं।
(ख) लिंग के दो भेद होते हैं–पुल्लिग ओर स्त्रीलिंग।
(i) पुल्लिग; जैसे–छात्र, लेखक, नाना आदि।

(ii) स्त्रीलिंग; जैसे–छात्रा, लेखिका, नानी आदि।

(ग) निम्नलिखित शब्द पुल्लिग होते हैं–

1. **देशों के नाम**–भारत, नेपाल, पाकिस्तान, भूटान, चीन आदि।
2. **अनाजों के नाम**–गेहूँ, चावल, ज्वार, बाजरा आदि। (अपवाद–मक्का)।
3. **सागरों व महासागरों के नाम**–अरब सागर, हिंद महासागर, प्रशांत महासागर आदि।
4. **महाद्वीपों के नाम**–एशिया, अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया आदि।
5. **द्रव पदार्थों के नाम**–घी, तेल, पानी, शरबत, दूध, दही आदि।
6. **फूलों के नाम**–गुलाब, गेंदा, सूरजमुखी, कमल आदि। (अपवाद–नरगिस, चमेली)।
7. **ग्रहों, उपग्रहों आदि के नाम**–बुध, शुक्र, चंद्रमा सूर्य आदि। (अपवाद–पृथ्वी)।
8. **पहाड़ों के नाम**–हिमालय, सतपुड़ा, शिवालिक, अरावली आदि।
9. **धातुओं और रत्नों के नाम**–सोना, ताँबा, हीरा, सीसा, पन्ना आदि। (अपवाद–चाँदी)।
10. **वर्णमाला के अक्षर**–क, ख, च, छ, ट, ठ आदि।

(घ) **पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्दों में अंतर**

1. **पुल्लिग**–जिन शब्दों से पुरुष (नर) जाति का बोध होता है, उन्हें पुल्लिग कहते हैं; जैसे–नौकर, देवता, मोर आदि।
2. **स्त्रीलिंग**–जिन शब्दों से स्त्री (मादा) जाति का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे–नौकरानी, देवी, मोरनी आदि।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) पुरुष अथवा स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्दों को **लिंग** कहते हैं।

(ख) शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति का बोध होता है उसे **पुल्लिग** कहा जाता है।

(ग) स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्दों को **स्त्रीलिंग** कहते हैं।

(घ) कुछ शब्द नित्य **पुल्लिग** होते हैं, जिनका प्रयोग सदा पुल्लिग रूप में ही किया जाता है।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✗) (ख) (✗) (ग) (✗) (घ) (✓) (ङ) (✗)

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग लिखिए–

उत्तर–

(क)	नौकर	**पुल्लिग**	(ख)	नायक	**पुल्लिग**
(ग)	हिमालय	**पुल्लिग**	(घ)	पृथ्वी	**स्त्रीलिंग**
(ङ)	गुलाब	**पुल्लिग**	(च)	माली	**पुल्लिग**
(छ)	चंपा	**स्त्रीलिंग**	(ज)	लता	**स्त्रीलिंग**
(झ)	चाँदी	**स्त्रीलिंग**	(ञ)	हिंदी	**स्त्रीलिंग**
(ट)	तिथि	**स्त्रीलिंग**	(ठ)	चावल	**पुल्लिग**

5. निम्नलिखित स्त्रीलिंग शब्दों के सामने उचित पुल्लिग शब्द लिखिए–

उत्तर–

	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग
(क)	नायिका	**नायक**	(ख) छात्रा	**छात्र**
(ग)	गाय	**बैल**	(घ) रानी	**राजा**
(ङ)	बहन	**भाई**	(च) सेठानी	**सेठ**
(छ)	पंडिताइन	**पंडित**	(ज) लेखिका	**लेखक**

6 संज्ञा : वचन

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संज्ञा या सर्वनाम की संख्या बताने वाले शब्द रूप ही वचन कहलाते हैं; जैसे–पंखा-पंखे, कार-कारें, बेटा-बेटे, लड़का-लड़के आदि।

(ख) हिंदी भाषा में वचन के दो प्रकार होते हैं–1. एकवचन, 2. बहुवचन।

(ग) शब्द के जिस रूप से एक प्राणी, वस्तु या स्थान आदि का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं।

(घ) शब्द के जिस रूप से एक से अधिक प्राणियों, वस्तुओं या स्थानों आदि का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

2. निम्नलिखित एकवचन वाक्यों को बहुवचन वाक्यों में बदलिए–

उत्तर– (क) मेरी कॉपियाँ खो गई हैं।

(ख) पेड़ से पत्ते गिर गये।

(ग) पूजा ने पुस्तकें खरीदीं।

(घ) लेखक ने कविताएँ सुनाईं।

(ङ) राम ने चिट्ठियाँ लिखीं।

3. निम्नलिखित वाक्यों में आई वचन की अशुद्धियाँ दूर करके इन्हें पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) दो बच्चे होते अच्छे।

(ख) सारे कपड़े सूख गये हैं।

(ग) मैं साइकिल चला रही हूँ।

(घ) सुरभि बारह केले खा गई।

(ङ) भारती ने गाने गाए।

(च) चेतन ने कचौड़ियाँ खाईं।

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) राह– उज्जवल ने **राह** में एक भालू देखा।

(ख) राहें– यहाँ से चार **राहें** अलग-अलग हो जाती हैं।

(ग) नदियाँ– भारत में प्रमुख **नदियाँ** हैं।

(घ) वस्तु– यह बंदूक खेलने की **वस्तु** नहीं है।

(ङ) वस्तुएँ– बाजार में तरह-तरह की विभिन्न **वस्तुएँ** मिलती हैं।

7 सर्वनाम

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे–मैं, तुम, वह, उसे, तुम्हारा, हमारा, ये, वे आदि।

(ख) सर्वनाम के छह भेद होते हैं–1. पुरुषवाचक सर्वनाम, 2. निश्चयवाचक सर्वनाम,3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, 4. संबंधवाचक सर्वनाम, 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम, 6. निजवाचक सर्वनाम।

(ग) वाक्य में जो सर्वनाम प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–कौन, किसने, क्या आदि।

(घ) **निश्चयवाचक और अनिश्चयवाचक सर्वनाम में अंतर**

निश्चयवाचक सर्वनाम–जो सर्वनाम निकट या दूर की निश्चित वस्तु अथवा प्राणी के होने का संकेत करे, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–यह, ये, वह, वे।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम–वे सर्वनाम जिनसे किसी निश्चित प्राणी या वस्तु का बोध न होता हो, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–कोई, कुछ आदि।

(ङ) जिस सर्वनाम का प्रयोग कर्ता के निज (स्वयं) के अर्थ के लिए किया जाता है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–स्वयं, आप, अपने आप, खुद आदि।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) वह अपना कार्य **स्वयं** करेगी।

(ख) सर्वनाम के **छह** भेद होते हैं।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के **तीन** उपभेद होते हैं।

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम में **निश्चित** प्राणी या वस्तु की ओर संकेत किया जाता है।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✗) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✓) (ङ) (✗) (च) (✓) (छ) (✗)

4. निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों का अपने वाक्यों में उचित प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) तुम = **तुम** विद्यालय कब जाओगे।

(ख) वह = **वह** जामुन का पेड़ है।

(ग) कोई = बाहर **कोई** खड़ा है, जाकर देख लो।

(घ) जिसका = **जिसका** काम उसी को साजे।

(ङ) स्वयं = मोहन अपना काम **स्वयं** करता है।

(च) कुछ = बाजार से **कुछ** खाने को ले आओ।

(छ) कौन = बाहर **कौन** बुला रहा है।

8 विशेषण

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

(ख) वे संज्ञा या सर्वनाम शब्द जिनकी विशेषता बताई जाती है, विशेष्य कहलाते हैं।

(ग) विशेषण के मुख्य रूप से पाँच भेद होते हैं–

1. गुणवाचक विशेषण; जैसे–भला, लंबी, अच्छा, दुबला आदि।
2. परिमाणवाचक विशेषण; जैसे–थोड़ा, कम, चार, मीटर, दो किलो आदि।
3. संख्यावाचक विशेषण; जैसे–चार, तीन, कुछ, दस आदि।
4. संकेतवाचक विशेषण; जैसे–ये, वे, यह, वह आदि।
5. व्यक्तिवाचक विशेषण; जैसे–जयपुरी, बंगाली, बनारसी आदि।

(घ) जो विशेषण किसी वस्तु की नाप-तौल या मात्रा बताते हैं, परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

(ङ) विशेषणों की तीनों अवस्थाएँ होती हैं–1. मूलावस्था, 2. उत्तरावस्था, 3. उत्तमावस्था।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द **विशेषण** कहलाते हैं।

(ख) जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, वे **विशेष्य** कहलाते हैं।

(ग) विशेषण **पाँच** प्रकार के होते हैं।

(घ) किसी वस्तु की नाप-तौल या मात्रा बताने वाले विशेषणों को **परिणामवाचक** विशेषण कहते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य चुनकर लिखिए–

उत्तर–

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	चार	पेन
(ख)	थोड़ा	पानी
(ग)	पतला	लड़का
(घ)	आलसी	लड़के
(ङ)	एक, वृद्ध	चौकीदार

4. लिखिए, निम्नलिखित शब्द विशेषण की कौन-सी अवस्थाएँ हैं?

उत्तर–

उच्च	**मूलावस्था**	मधुरतम	**उत्तमावस्था**
निम्नतर	**उत्तरावस्था**	लंबा	**मूलावस्था**
अच्छा	**मूलावस्था**	अधिक अच्छा	**उत्तरावस्था**
श्रेष्ठतम	**उत्तमावस्था**	योग्यतर	**उत्तरावस्था**

9 क्रिया

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जिस शब्द से किसी कार्य का करना या होना पाया जाता है उसे क्रिया कहते हैं।

(ख) क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं; जैसे–हँस, पढ़, खा, चख आदि धातु हैं।

(ग) कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं–1. सकर्मक क्रिया 2. अकर्मक क्रिया।

(घ) अकर्मक का अर्थ है–बिना कर्म का। जिस क्रिया को अपना अर्थ पूरा करने के लिए कर्म की आवश्यकता नहीं होती और क्रिया का फल सीधा कर्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।
जैसे–बच्चा रोता है। पिताजी हँसते हैं। चूहा दौड़ता है।

(ङ) सकर्मक का अर्थ है–कर्म के साथ। जिस क्रिया के साथ कोई कर्म होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

(च) जो क्रिया दो-या-दो से अधिक धातुओं के संयोग से बनती है, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं; जैसे–सविता पढ़ने लगी। गोपाल हँसने लगा।

2. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗)

3. निम्नलिखित वाक्यों में आई क्रियाओं पर गोला (◯) खींचिए–

उत्तर– (क) नीतू, मीनू और टीनू ने मिलकर गीत (गाए)।

(ख) शिवम ने चार खिलौने (लिए)।

(ग) वाह! तुम तो बहुत चालाक (निकले)।

(घ) चलो, कैंटीन (चलें) और समोसे (खाएँ)।

(ङ) राम का बाण (लगते) ही रावण के पुतले में आग (लग) गई।

4. उचित क्रिया रूप का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) धीरे-धीरे सवेरा **हो गया**। (ख) पिता जी तो बाजार **गये हैं**।

(ग) माता जी खाना **बना रही है**। (घ) मैं चिड़ियाघर देखने **जाऊँगा**।

(ङ) उससे कहो, वह जल्दी **सो जाए**। (च) मेरे हाथ में चार पुस्तकें **रखी हैं**।

(छ) तुम लोग घूमकर कब **आओगे**?

5. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया सकर्मक है या अकर्मक? लिखिए–

उत्तर– (क) अकर्मक क्रिया (ख) अकर्मक क्रिया (ग) सकर्मक क्रिया

(घ) सकर्मक क्रिया (ङ) सकर्मक क्रिया (च) सकर्मक क्रिया

10 कारक

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध क्रिया से जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं; जैसे–नेहा ने गति गाया, गौरव ने गधे को पीटा आदि।

(ख) कारक आठ प्रकार के होते हैं–1. कर्ता कारक, 2. कर्म कारक, 3. करण कारक, 4. संप्रदान कारक 5. अपादान कारक, 6. संबंध कारक, 7. अधिकरण कारक, 8. संबोधन कारक।

(ग) **कारक विभक्ति चिह्न**

1. कर्ता — ने (या कोई चिह्न नहीं)
2. कर्म — को
3. करण — से
4. संप्रदान — के लिए, को
5. अपादान — से (अलग होना)
6. संबंध — का, की, के, रा, री, रे
7. अधिकरण — में, पर
8. संबोधन — हे! अजी! अरे! आदि

(घ) **करण कारक और अपादान कारक में अंतर**

करण कारक–करण का अर्थ है–'साधन'। जिस साधन की सहायता से कर्ता कोई कार्य करता है, वह साधन करण कारक होता है। इसका विभक्ति-चिह्न 'से' है; जैसे–दीदी ने चाकू से सेब काटा। (चाकू - करण कारक)

अपादान कारक–जिससे किसी व्यक्ति या वस्तु का अलग होना प्रकट हो, वह अपादान कारक होता है। अपादान कारक का चिह्न 'से' है; जैसे–पेड़ से पत्ते गिरते हैं। वह दिल्ली से आएगा।

(ङ) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के करने वाले का बोध हो, उसे कर्ता कारक कहते हैं; जैसे–लता ने गीत गाया।

2. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗)

3. निम्नलिखित वाक्यों में आए कारकों के नाम लिखिए–

उत्तर– (क) अधिकरण कारक (ख) संप्रदान कारक (ग) संबोधन कारक
(घ) संबंध कारक (ङ) कर्ता कारक (च) अधिकरण कारक
(छ) अपादान कारक (ज) कर्म कारक

4. विभक्ति-चिह्न संबंधी अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) उसने मुँह धोया था।
(ख) राम ने रावण को बाण से मारा था।
(ग) विद्यालय से आकर तनु ने खाना खाया।
(घ) बंदर पेड़ पर बैठा है।
(ङ) यह कंप्यूटर मेरे मित्र का है।
(च) रमेश ने चाकू से सेब काटा।
(छ) मैं वहाँ चलने को तैयार था।
(ज) हम बस से आगरा गए थे।

11 काल

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) क्रिया के जिस रूप से उसके समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं।

(ख) काल के तीन भेद होते है–
1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल

(ग) क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय में कार्य के होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं; जैसे– गीता पत्र लिखेगी।

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) जो समय बीत चुका, उसे **भूतकाल** कहते हैं।

(ख) जो समय अब चल रहा है, उसे **वर्तमान काल** कहा जाता है।

(ग) आगे आने वाले समय को **भविष्यत् काल** कहते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों के काल लिखिए–

(क) अपूर्ण भूत (ख) भविष्यत् काल (ग) अपूर्ण वर्तमान

(घ) पूर्ण भूत (ङ) संदिग्ध भूत (च) सामान्य भूत

(छ) संदिग्ध वर्तमान (ज) सामान्य भविष्यत

4. निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार काल परिवर्तन करके लिखिए–

(क) नकुल खाना खा रहा है। (ख) रवि स्कूल गया।

(ग) माली कल फूल तोडेगा। (घ) बच्चे पाठ पढ़ रहे है।

(ङ) मैं इस घर में रह रहा हूँ। (च) सुनीता ने पत्र लिखा।

12 अव्यय

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अव्यय कहते हैं।

(ख) अव्यय के चार भेद होते हैं–1. क्रियाविशेषण, 2. संबंधबोधक,3. समुच्चयबोधक, 4. विस्मयादिबोधक।

(ग) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

(घ) क्रियाविशेषण के चार भेद हैं–1. कालवाचक क्रियाविशेषण, 2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण।

2. निम्नलिखित वाक्यों में आए संबंधबोधक शब्द रेखांकित कीजिए–

उत्तर– (क) वह छत <u>के ऊपर</u> खड़ा है। (ख) स्कूल <u>के पीछे</u> स्टेशन है।

(ग) घर <u>के सामने</u> स्कूल है।

3. निम्नलिखित वाक्यों से समुच्चयबोधक शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– (क) और (ख) ताकि (ग) तो

4. विस्मयादिबोधक शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **हाय!** अब मैं कहाँ जाऊँ?

(ख) **अरे!** तुम आ गए।

(ग) **शाबाश!** ऐसा ही करना।

(घ) **काश!** तुम मेरे साथ होते।

(ङ) **अच्छा!** अब मैं चलता हूँ।

(च) **अरे!** तुम यहाँ कैसे?

13 वाक्य-विचार

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) शब्दों का वह सार्थक मेल जिसका एक निश्चित अर्थ होता है, वाक्य कहलाता है।

(ख) वाक्य आठ प्रकार के होते हैं–

1. विधानवाचक वाक्य
2. निषेधवाचक वाक्य
3. आज्ञावाचक वाक्य
4. प्रश्नवाचक वाक्य
5. विस्मयवाचक वाक्य
6. संदेहवाचक वाक्य
7. इच्छावाचक वाक्य
8. संकेतवाचक वाक्य

(ग) हम जिसके विषय में बात करते हैं, वह वाक्य का उद्देश्य होता है। इसी प्रकार व्यक्ति जो कार्य कर रहा है, वह विधेय होता है; जैसे–वैभव स्कूल जा रहा है। मैं खाना खाता हूँ।

इन वाक्यों में 'वैभव' तथा 'मैं' उद्देश्य हैं और 'स्कूल जा रहा है' एवं 'खाना खाता हूँ' विधेय हैं।

(घ) **इच्छावाचक वाक्य**–जिन वाक्यों द्वारा इच्छा, आकांक्षा, आशीर्वाद आदि भाव प्रकट हों, वे इच्छावाचक वाक्य कहलाते हैं; जैसे–मैं बड़ा होकर अध्यापक बनना चाहता हूँ।

(ङ) जब हम किसी से कोई कार्य करने के लिए कहते हैं या बड़ों से किसी बात की विनती करते हैं अथवा छोटों को कोई कार्य करने से रोकते हैं, तो वह आज्ञावाचक वाक्य कहलाता है।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) शब्दों के सार्थक समूह को **वाक्य** कहते हैं।

(ख) हम जिसके विषय में बात करते हैं, वह वाक्य का **उद्देश्य** होता है।

(ग) वाक्य **आठ** प्रकार के होते हैं।

(घ) उद्देश्य के अंतर्गत वाक्य का कर्ता तथा उसके **विशेषण** आते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों को दिए गए निर्देशों के अनुसार बदलकर लिखिए–

उत्तर– (क) सरिता कल स्कूल में गाना नहीं गाएगी।

(ख) वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।

(ग) रजनी, तुम आज गृहकार्य मत करो।

(घ) क्या तुम्हारा भाई कक्षा चार में पढ़ता है?

(ङ) माता जी खाना खा रही हैं।

4. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✗) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✓)

5. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर उचित स्थान पर लिखिए–

उत्तर–

	उद्देश्य	**विधेय**
(क)	हम लोग	कल लखनऊ जा रहे हैं।

(ख) मेरे पिता जी — एक दफ्तर में काम करते हैं।
(ग) तुम्हारी साइकिल — कौन-सी कंपनी की है?
(घ) आपकी बेटी — कहाँ पढ़ती है?
(ङ) वह — खाना खा रहा है।
(च) आगरा — में ताजमहल है।

6. निम्नांकित चित्रों को देखकर शब्द-समूह को ठीक करके वाक्य बनाइए तथा पूर्ण विराम का चिह्न भी लगाइए–

उत्तर– (क) वह आम खा रहा है।
(ख) यह भालू काला है।
(ग) केशव दिल्ली गया था।
(घ) बच्चे पतंग उड़ा रहे हैं।
(ङ) यह घोड़ा मेरा प्रिय है।
(च) रजत खाना खा रहा है।

14 उपसर्ग एवं प्रत्यय

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जो शब्दांश किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता प्रदान करते हैं, उन्हें उपसर्ग कहा जाता है।
(ख) जो शब्दांश किसी शब्द के बाद जुड़कर उनका अर्थ बदल देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।
(ग) **उपसर्ग**–जो शब्दांश किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता प्रदान करते हैं, उन्हें उपसर्ग कहा जाता है; जैसे–अध–अधखेला, अधपका, अभि–अभिमान, अभिलाषा। आ–आचरण, आदान, आरक्षण आदि।
प्रत्यय–जो शब्दांश किसी शब्द के बाद जुड़कर उनका अर्थ बदल देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं; जैसे–आई–बुराई, भलाई, पंडिताई। वान–गुणवान, धनवान। ता–चढ़ता, बढ़ता, पढ़ता आदि।

2. निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए–

उत्तर– (क) प्रति **प्रतिकूल प्रतिध्वनि** (ख) पुरा **पुरातत्व पुरातन**
(ग) अव **अवगुण अवश्य**

3. निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोग करके दिए गए शब्द की भाँति नए शब्द बनाइए–

उत्तर– (क) खिलौना, बौना
(ख) चित्रकार, निबंधकार
(ग) लिखकर, पीकर

15 विराम-चिह्न

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) विराम का अर्थ है–रुकना।
(ख) शुद्ध भाषा लिखने के लिए विराम-चिह्नों का ज्ञान होना बहुत ही आवश्यक

है। उचित विराम-चिह्नों के अभाव में वाक्यों के अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

(ग) **योजक चिह्न (-)**–शब्दों के जोड़ों को परस्पर जोड़ने में इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–आते-जाते, सुख-दुख, कभी-कभी आदि।

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न का प्रयोग करके वाक्य पुनः बनाइए–

उत्तर– (क) सुमित क्या खाना पसंद करोगे? (ख) चलो, कहीं घूमने चलें।
(ग) राधा, रीना और रमा पढ़ रही हैं। (घ) तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?
(ङ) अरे! तुम कब आए। (च) तुम आगरा कब जाओगे?
(छ) वाह! अब आएगा मजा।

3. निम्नलिखित चिह्नों को पहचानकर उसका नाम लिखिए तथा उसी का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बनाइए–

उत्तर–

?	प्रश्नवाचक चिह्न	तुम्हारा नाम क्या है?
,	अल्प विराम	सरिता, कविता, एकता और सविता खेल रही हैं।
।	पूर्ण विराम	विकास खाना खाता है।
!	विस्मयादिबोधक चिह्न	वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।

16 शब्दों के विभिन्न रूप

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संस्कृत के मूल शब्द हिंदी में प्रयुक्त होने पर तत्सम कहलाते हैं। संस्कृत के जो शब्द परिवर्तित होकर हिंदी भाषा में सम्मिलित हो गए हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।

(ख) एकार्थक (सामान अर्थ) प्रतीत होने वाले शब्दों को एकार्थक शब्द कहते हैं, जैसे–
अधर्म–जो धर्म के विरूद्ध हो।
अन्याय–जो न्याय के विरूद्ध हो।

2. रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) हमें बड़ों का आदर करना चाहिए, न कि **अनादर**।
(ख) सदा **सच** बोलो, झूठ बोलना पाप है।
(ग) रमेश आस्तिक है, पर उसकी बहन **नास्तिक** है।

3. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर–

(क)	किसान	=	**खेतिहर**	**हलवाहा**	**कृषक**
(ख)	इंद्र	=	**देवेश**	**सुरेश**	**देवेंद्र**
(ग)	शिव	=	**महादेव**	**शंकर**	**नीलकंठ**
(घ)	बादल	=	**जलद**	**नीरद**	**मेघ**
(ङ)	मछली	=	**मत्स्य**	**मीन**	**मकर**
(च)	घोड़ा	=	**अश्व**	**तुरंग**	**हय**

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) मेरा **घर** विद्यालय के पास है।

(ख) हमारा राट्रीय पक्षी **मोर** है।

(ग) हमें ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिसमें हमें **अपयश** मिले।

(घ) पहिए का आविष्कार एक **नवीन** खोज थी।

17 वाक्यांश के लिए एक शब्द

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के लिए शब्द-समूह (वाक्यांश) लिखिए–

उत्तर– (क) आकाश में उड़ने वाला (ख) जो परिश्रम करता हो

(ग) जो संभव न हो (घ) निंदा करने वाला

(ङ) जो साथ पढ़ता हो (च) जो दूर की सोचता हो

(छ) सदा सच बोलने वाला

2. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) अदृश्य (ख) तपस्वी (ग) ऋणी

(घ) विधवा (ङ) कृतज्ञ (च) अजातशत्रु

18 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें मुहावरे कहते हैं; जैसे–आग लगाना = झगड़ा करना

(ख) नहीं, मुहावरे का स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

(ग) समाज के अनुभवों के सार को लोकोक्तियाँ अथवा कहावत कहते हैं।

(घ) मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर–

- 'मुहावरा' अरबी भाषा से लिया गया शब्द है, जिसका अर्थ है–अभ्यास या बातचीत।
- मुहावरे में प्रयुक्त होने वाले शब्द अपने शाब्दिक अर्थ से भिन्न अर्थ रखते हैं। मुहावरों के प्रयोग से भाषा में सुंदरता तथा आकर्षण का समावेश हो जाता है।
- लोकोक्ति का अर्थ है–लोक में प्रचलित उक्ति या कथन।
- लोकोक्तियाँ जनसाधारण के अनुभवों, घटनाओं अथवा तथ्यों पर आधारित होती हैं इनका प्रयोग किसी विचार के समर्थन में होता है जिससे कथन प्रभावशाली हो जाता है।
- लोकोक्तियाँ प्रायः स्वतंत्र वाक्यों की भाँति प्रयुक्त होती हैं। लोकोक्ति को 'कहावत' भी हो जाता है।

2. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) मुँह की खाना **हार जाना**

भारत के शत्रु हमेशा **मुँह की खाते हैं**।

(ख) चल बसना **मर जाना**

बीमारी के कारण वह युवावस्था में ही **चल बसा**।

(ग) गाँठ बाँधना **याद रखना**
परिश्रम सफलता की कुंजी हे, यह बात **गाँठ बाँध लो**।

(घ) कफन सिर पर बाँधना **मृत्यु के लिए तैयार होना**
देशभक्त देश की रक्षा के लिए हमेशा **सिर पर कफन बाँधे रहता है**।

(ङ) चिकना घड़ा **बेशर्म होना**
महेश **चिकना घड़ा** है। उस पर किसी की बातों का असर नहीं होता।

3. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) सौरभ अपने माता-पिता की **आँखों का तारा** है।

(ख) सब कुछ गँवाने के बाद भी तुम्हारी **आँखें नहीं खुली**।

(ग) जरा-जरा सी बात पर **मुँह फुलाना** उसका प्राकृतिक स्वभाव है।

(घ) आजकल भाई ही भाई की **जान का दुश्मन** हो गया है।

(ङ) सीमा छोटी-छोटी बातों पर भी **आग-बबूला** हो जाती है।

4. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों का उनके अर्थों से उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

(क) आगे कुआँ पीछे खाई	अनपढ़ होना
(ख) आग लगाना	होश में आना
(ग) काला अक्षर भैंस बराबर	बहुत बढ़-चढ़कर बातें करना
(घ) आँखें खुलना	चारों ओर से विपत्ति
(ङ) कमर कसना	झगड़ा कराना
(च) छोटा मुँह बड़ी बात	तैयार होना

5. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) **मुसीबत मोल लेना**–दुष्ट के साथ व्यापार करना **आ बैल मुझे मार** वाली कहावत को चरितार्थ करना है।

(ख) **अनपढ़ होना**–गुरु जी आप उसे पुरस्कार में किताबें क्यों दे रहे हो? ये तो उसके लिए **काला अक्षर भैंस बराबर है**।

(ग) **हानि भी न हो और काम भी बन जाए**–कुलभूषण की रिहाई हो जाए और दूसरा देश उसे मान ले तो **साँप भी मर जाएगा ओर लाठी भी न टूटेगी**।

(घ) **एक काम से दोहरा लाभ**–मुझे दफ्तर के काम से लखनऊ जाना है, और भाई साहब से भी मिलता आऊँगा। **एक पथ दो काज** हो जाएँगे।

(ङ) **घर की वस्तु का मूल्य न समझना**–नवीन की मम्मी को गणित का अच्छा ज्ञान है, परंतु वह गणित का ट्यूशन पढ़ने दूसरे अध्यापक के पास जाता है क्योंकि हर कोई **घर की मुरगी को दाल बराबर** समझता है।

6. निम्नलिखित शब्द-समूहों के लिए उपयुक्त मुहावरा लिखिए–

उत्तर– (क) **गुदड़ी का लाल**–लाल बहादुर शास्त्री वास्तव में **गुदड़ी के लाल** थे।

(ख) **जली-कटी सुनाना**–मोहन ने जरा-सी बात पर सोहन को जली-कटी सुना दी।

(ग) **दोषी व्यक्ति सदैव संकित रहता है**–चोरी की बात सुनकर ही नौकर कहने लगा कि मैं तो उस दिन काम पर ही नहीं आया था क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका था।

(घ) **डींग हाँकना**–सदैव **डींग हाँकने** से कुछ नहीं होता है। काम भी करना पड़ता है।

प्रश्न-अभ्यास

• **निम्नलिखित विषयों पर अनुच्छेद लेखन कीजिए–**

उत्तर–

वृक्षों का महत्व

वृक्ष हमारी अमूल्य प्राकृतिक संपदा का कोष है। जीवन को सुचारु रूप से चलाने के लिए वृक्ष हमें प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अनेक प्रकार की वस्तुएँ देते हैं।

वृक्ष से हमें अनेक प्रकार की लकड़ियाँ मिलती हैं, जो न केवल ईंधन के रूप काम आती है, अपितु विभिन्न प्रकार के फर्नीचर खिड़की दरवाजे आदि बनाने में भी काम आती है, वृक्षों से बाँस व घास की प्राप्ति होती है जिससे कागज बनाया जाता है। वृक्षों से रबड़ व अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियाँ मिलती हैं। इनसे जीवन रक्षक दवाइयाँ बनाई जाती हैं। वृक्ष जलवायु को संतुलित करते हैं। वे ठीक समय पर वर्षा करने में सहायक होते हैं। वृक्ष भूमि को संतुलित जलवायु प्रदान करके उसकी उर्वराशक्ति को बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त वे प्रदूषण को फैलने से रोकते है और वायु को शुद्ध रखते हैं। वृक्ष प्राकृतिक सुषमा का भंडार हैं। वृक्ष पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं। वृक्ष हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वृक्ष से हमें खाने के लिए खाद्य-पदार्थ प्राप्त होते हैं। वृक्ष हमारे लिए बहुत उपयोगी है। वृक्षों से हमारे चारों ओर का वातावरण शुद्ध रहता है। वृक्ष हमें शीतल छाया प्रदान करते हैं वृक्षों की हरियाली मानव-मन को विभोर कर देती है। वृक्ष पर्यावरण को संतुलित रखने की कुंजी है, इसलिए वृक्षों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है।

मेला

कल गाँव से हमारे मामाजी आए हुए थे। जिनके साथ हमने मेले में जाने का कार्यक्रम बनाया। यह मेला हमारे घर से थोड़ी दूर एक विशाल मैदान में लगा हुआ था। हम सभी अपनी बड़ी-सी गाड़ी में सवार होकर शाम सात बजे मेले में पहुँचे। मेले में पहुँचते ही हमें ऐसा लगा जैसे कि हम किसी अलग दुनिया में आ गए हो। मेले में चारों तरफ बड़े-बड़े झूले लगे हुए थे और हर तरफ चहल-पहल थी। वहाँ खाने-पीने की वस्तुओं की अनेक दुकानें लगी हुई थी। जिस पर नाना प्रकार के व्यजन मिल रहे थे। अनेक दुकानों में रोजमर्रा की वस्तुओं की नुमाइश लगी हुई थी, जिन्हें लोग बड़े गौर से देख रहे थे। हर तरफ चहल-पहल थी ओर लोग बड़े शौक से मेले का आनंद उठा रहे थे। हम भी वहाँ पर देर रात तक रुके और खूब आंनद उठाया।

ताजमहल

ताजमहल संसार के महान आश्चर्यों में स्थान पाता है। यह अपने नाम को पूर्ण रूप से सार्थक करता है। इसका सौंदर्य अद्वितीय है। यह इमारत साढ़े तीन सौ वर्षों से भी अधिक पुरानी है, परंतु इसकी सुंदरता में कोई कमी नहीं आई है।

ताजमहल आगरा शहर से बाहर पाँच-छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वर्तमान में विस्तार पाता हुआ आगरा शहर अब इससे निकटता बना रहा है।

ताजमहल मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में

बनवाया था। इसके तीन ओर सुंदर बाग और पीछे की ओर यमुना है। इसका प्रवेश द्वार लाल पत्थरों से बना है। इस पर कुरान की आयतें शवेत पत्थरों पर लिखी हुई हैं।

ताजमहल एक ऊँचे चबूतरे पर बना हुआ है। इसका निर्माण सफेद संगमरमर से किया गया है। मुख्य भवन के सामने ही एक छोटी-सी नहर बनी हुई है। इसमें फव्वारे चलते हैं। बीच में लॉन बना हुआ है।

ताजमहल सुंदरता का अदभुत नमूना माना जाता है। यह वास्तव में एक मकबरा है। इसके विशाल गुंबद के चारों ओर छोटे-छोटे गुंबद बने हुए हैं। इन गुंबदों और ताजमहल की दीवारों पर कला के सुंदर नमूने चित्रित हैं। ताजमहल के बड़े गुंबद के नीचे मुमताज महल और शाहजहाँ की कब्रें हैं, पर वे वास्तविक नहीं हैं। ठीक इन्हीं समाधियों के नीचे वास्तविक कब्रें हैं।

चाँदनी रातों में ताज का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। शरद पूर्णिमा की रात्रि को ताजमहल की शोभा दुगुनी हो जाती है। इसकी अद्वितीय छटा को निहारने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं।

20 संवाद-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

निम्नलिखित विषयों पर कल्पना करके संवाद लिखिए–

उत्तर–

सब्जी वाले और पिता जी के संवाद

सब्जीवाला : सब्जी लो, सब्जी लो, ताजी हरी सब्जी लो।

पिताजी : सब्जियाँ कैसे दी हैं भई।

सब्जीवाला : बाबूजी सभी सब्जियाँ ताजी है और उचित मूल्य की है।

पिताजी : ये गाजर और गोभी कैसी दी हैं?

सब्जीवाला : बाबू जी सिर्फ 20 रुपये किलो हैं और ये गोभी 15 रुपये किलो हैं।

पिताजी : तुम अपनी सब्जियों का मूल्य कुछ अधिक बता रहे हो। वह मूल्य बताओ जिस पर इन्हें खरीदा जा सके।

सब्जीवाला : बाबू जी मूल्य बिल्कुल उचित है और यह भी देखिए कि सब्जियाँ बिल्कुल ताजी ओर दोष रहित है।

पिताजी : अच्छा ठीक है दो किलो गाजर और तीन किलो गोभी मुझे दे दो, यह लो 100 रुपये का नोट।

सब्जीवाला : यह लीजिए बाबूजी आपकी सब्जियाँ और शेष 15 रुपये। आपके आने का धन्यवाद।

पिताजी : धन्यवाद।

डॉक्टर और मरीज के बीच संवाद

मरीज : डॉक्टर साहब! मेरे पेट में बहुत तेज दर्द है।

डॉक्टर : चिंता मत करो, मैं तुम्हें कुछ दवाइयाँ दे रहा हूँ इनसे आराम मिल जाएगा।

मरीज : डॉक्टर साहब! ये दवाएँ मुझे किस समय लेनी है?

डॉक्टर : ये दवाएँ तुम्हें तीनों समय लेनी है। सुबह, दोपहर और शाम।
मरीज : डॉक्टर साहब! मुझे परहेज में क्या चीजें खानी है।
डॉक्टर : दलिया, सूप और खिचड़ी खाने से तुम्हें फायदा मिलेगा।
मरीज : डॉक्टर साहब! क्या मुझे फिर से आने की आवश्यकता है।
डॉक्टर : नहीं, मेरे ख्याल से इसकी आवश्यकता नहीं पड़ेगी, तुम्हारे पेट दर्द के लिए ये दवाएँ रामबाण का काम करेगी।
मरीज : ठीक है, डॉक्टर साहब! अब मैं चलता हूँ।
डॉक्टर : ठीक है, दवाएँ समय से लेते रहना।
मरीज : जी डॉक्टर साहब! धन्यवाद।

21 अपठित गद्यांश

प्रश्न-अभ्यास

गदयांश-1

सुभाषचंद्र बचपन से ..... परीक्षा उत्तीर्ण की।

उत्तर–
1. सुभाषचंद्र बोस बचपन से ही बड़े मेधावी और स्वाभिमानी थे।
2. उन्होंने एक दिन अंग्रेज अध्यापक का अपमान कर दिया। इसके लिए उन्हें प्रेसीडेंसी कॉलेज से निकाल दिया गया।
3. अंग्रेज भारतीय विद्यार्थियों को तिरस्कार की दृष्टि से देखते थे।
4. तिरस्कार के लिए एक अन्य शब्द 'अपमान' है।
5. मेधावी = **खुशहाल** उत्तीर्ण = **सफल**

गदयांश-2

भारत के उत्तर ..... व सजते हैं।

उत्तर–
1. हिमालय को पहरेदार इसलिए कहा गया है क्योंकि वह कभी सोता नहीं है, सदा जागता रहता है।
2. हिमालय हमारा पोषक है क्योंकि यह अनेक प्रकार के फल व अन्न प्रदान करता है।
3. हिमालय को 'वैद्य' कहा गया है, क्योंकि यह अपनी जड़ी-बूटियों से हमारे अनेक रोगों की चिकित्सा करता है।
4. **श्वेत**–हिमालय सदा शवेत मुकुट की भाँति चमकता रहता है।
   इमारती–जंगल में इमारती लकड़ी आसानी से नहीं मिलती है।

22 पत्र-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

- **निम्नलिखित विषयों पर पत्र लिखिए–**

उत्तर– (ख) परीक्षा में असफल होने पर मित्र को सांत्वना पत्र लिखिए।

16-ई, कमला नगर
दिल्ली-

19 अप्रैल, 20XX
प्रिय मित्र
मधुर स्नेह,
आज तुम्हारे भाई दीपक के पत्र से ज्ञात हुआ कि तुम परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गए हो। इस पर असफलता के लिए तुम दोषी नहीं हो। तुमने वर्ष भर जी-जान से अपने बीमार पिता की सेवा की है ओर साथ-साथ यथाशक्ति पढ़ाई भी की। तुम्हारी सेवा-सुश्रुषा के कारण ही आज तुम्हारे पिताजी स्वस्थ है, यह पुरस्कार क्या कम है।
हे मित्र! तुम तनिक भी निराश मत होना। तुम जैसे दृढ़ निश्चय छात्र का परिणाम अगले वर्ष निश्चय ही श्रेष्ठ होगा। परीक्षा का अपना महत्व है, पर पिता से अधिक नहीं।
अवसर मिलते ही मैं तुमसे मिलने आऊँगा। पिताजी को मेरा प्रणाम कहना।
तुम्हारा अभिन्न मित्र
राजीव

(ग) विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर विद्युत विभाग के अधिकारी को पत्र लिखिए।

सेवा में,
अध्यक्ष महोदय,
मेरठ विद्युत बोर्ड,
सिविल लाइंस, मेरठ।
महोदय,
मैं इस पत्र के द्वारा आपका ध्यान अपने क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित होने से उत्पन्न असुविधाओं की ओर दिलाना चाहता हूँ। मैं रामबाग का स्थायी निवास हूँ। प्रायः प्रतिदिन ही दोपहर तथा सायंकाल को यहाँ विद्युत गुल रहती है जिससे यहाँ पर सारे उद्योग ठप्प पड़ जाते हैं। गर्मी के दिनों में दोपहर का समय बिना बिजली के गुजारना कठिन है। सायंकाल जब यहाँ पर बाजारों में लाखों का लेन-देन हो रहा होता है तब एकाएक विद्युत गायब हो जाती है। अचानक विद्युत आपूर्ति के बाधित हो जाने से चोरी ओर सड़क दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है।
विद्यार्थी परीक्षा के दिनों में उचित तैयारी भी नहीं कर पा रहे हैं। यहाँ लगभग एक माह में इसी प्रकार विद्युत की आपूर्ति बाधित हो रही है। विद्युत के अभाव के कारण यहाँ पानी भी नहीं आता। अतः यहाँ पर विद्युत की समस्या के कारण सारा जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।
आशा है कि आप इस क्षेत्र के निवासियों के कष्टों को समझकर विद्युत आपूर्ति को निबोध करेंगे और इसकी पूर्ण व्यवस्था करेंगे।
धन्यवाद सहित।

निवेदक
(हस्ताक्षर)
मनोज सिंघल
रामबाग कालोनी, मेरठ

23 कहानी-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

- **निम्नलिखित विषयों पर कहानियाँ लिखिए–**

उत्तर– (क) कछुआ और खरगोश

एक वन में एक तालाब के किनारे एक खरगोश झाड़ी में अपना घर बनाकर रहता था। उसी तालाब में एक कछुआ भी रहता है। खरगोश को जब प्यास लगती तो वह उसी तालाब में पानी पीता था, जिसमें कछुआ रहता था। दोनों एक-दूसरे को देखते थे ओर चाहते थे कि दोनों में मित्रता हो जाए।

एक दिन कछुआ तालाब से निकलकर बाहर किनारे पर घूम रहा था। अचानक खरगोश आ गया। दोनों में बातचीत हुई और वे मित्र बन गए।

एक दिन खरगोश कहीं जा रहा था। कछुए ने पूछा–"भाई खरगोश! कहाँ जा रहे हो?" खरगोश ने उत्तर दिया–"मैं एक दूसरे तालाब पर जा रहा हूँ।" कछुआ बोला–"मैं भी तुम्हारे साथ दूसरे तालाब पर चलूँगा।" खरगोश ने हँसकर कहा–"तेरा और मेरा क्या साथ? मैं तेज चलता हूँ ओर तू धीरे-धीरे रेंगता है।" कछुए ने कहा–"मैं भी तेज दौड़ता हूँ। मैं धीरे नहीं चलता।" उन दोनों में दौड़ की हार-जीत की बाजी लग गई। तय हुआ कि दूसरे तालाब पर कौन पहले पहुँचे। खरगोश ने बहुत तेज दौड़ लगाई, वह जल्दी ही थक गया। थकान मिटाने के लिए वह एक झाड़ी में आराम करने लगा और उसे नींद आ गई। कछुआ बिना रुके चलता ही रहा और खरगोश से पहले तालाब पर पहुँच गया। इस प्रकार, खरगोश की हार और कछुए की जीत हुई।

शिक्षा–निरंतर कार्य में लगा व्यक्ति की सफल होता है।

(ख) शेर और चूहा

एक समय की बात है, एक शेर जंगल में सो रहा था। तभी एक चूहा वहाँ आया और शेर के ऊपर चढ़कर उछल-कूद करने लगा। इससे शेर की नींद टूट गई। क्रोधित होकर उसने चूहे को अपने पंजे में दबा लिया। शेर चूहे को मारने वाला ही था कि चूहा दीन भाव से बोला–"महाराज! यह अपराध मुझसे अनजाने में हो गया। आप महाराज हैं, मुझ पर दया कीजिए। भविष्य में मैं ऐसा अपराध कदापि न करूँगा और समय पड़ने पर आपकी सहायता करूँगा।" शेर ने सोचा कि यह नन्हा-सा चूहा मेरी क्या सहायता करेगा। फिर भी उसने दया करके उसे छोड़ दिया।

एक दिन शेर शिकारियों द्वारा फैलाए गए जाल में फँस गया। उसने जाल से छूटने की बहुत कोशिश की, परंतु सफल न हो सका। वह जोर-जोर से दहाड़ने लगा। उस चूहे ने शेर की दहाड़ सुनी और तुरंत वहाँ पहुँचकर अपने तेज दाँतों से जाल काट दिया।

शेर आजाद हो गया। चूहे ने अपने ऊपर किए गए उपकार का बदला चुका दिया।

शिक्षा–हमें किसी भी प्राणी को तुच्छ नहीं समझना चाहिए।

(ग) बंदर और बिल्ली

किसी गाँव में दो बिल्लियाँ थीं। उन्हें किसी घर से रोटी का एक टुकड़ा मिला। पहली बोली, इसे मैं खाऊँगी, दूसरी कहती, इसे मैं खाऊँगी। इस पर दोनों लड़ने लगीं। इसी बीच वहाँ एक बंदर आया, वह बंदर बहुत चालाक था। उसने कहा–"तुम दोनों क्यों लड़ रही हो, मैं रोटी अभी बराबर बाँट देता हूँ।" यह सुनकर दोनों बहुत खुश हो गईं।

वह बंदर तराजू में रोटी को तोलने लगा। उसने रोटी के दो टुकड़े कर डाले। उन्हें तोलने के लिए उसने उन्हें तराजू पर रख दिया। तराजू का जो पलड़ा भारी होता उसमें से वह रोटी तोड़कर खा जाता था। धीरे-धीरे जब रोटी का एक छोटा भाग बच गया तो दोनों ने कहा, "बंदर भाई रहने दीजिए अब हम दोनों आपस में इसे बाँट लेंगे।" वह चालाक बंदर बोला–"वाह भाई! इसे मैं कैसे तुम्हें दूँ, यह तो हमारी बाँटने की फीस हो गई।" वह उसे भी खाकर चलता बना।

शिक्षा–हमें धूर्तों पर कभी विश्वास नहीं करना चाहिए।

24 निबंध-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

निम्नलिखित विषयों पर निबंध लिखिए–

उत्तर– (ख) मेरा प्रिय त्योहार : होली

भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है। यहाँ राष्ट्रीय एवं सामाजिक दोनों ही प्रकार के त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। सामाजिक त्योहारों में दीपावली, होली, रक्षाबंधन आदि त्योहार महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इनमें होली का त्योहार मस्ती और उमंग का त्योहार है, जो प्रसन्नता, उल्लास और अपूर्व आनंद के साथ मनाया जाता है।

यह त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। पूर्णिमा के दिन होलिका दहन होता है और फिर दूसरे दिन चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन रंगों का त्योहार दुल्हैंडी के नाम से मनाया जाता है।

पूर्णिमा के दिन विधि-विधान के साथ होली की पूजा की जाती है। रात्रि में मुहूर्त के अनुसार होली को जलाया जाता है। अगले दिन प्रातःकाल से ही लोग एक-दूसरे पर रंग डालना, गुलाल मलना और गले मिलना शुरू कर देते हैं। मनचलों की टोलियाँ दिन-भर नाच-गान करती हुई इधर-उधर घूमती हैं। दोपहर के बाद रंग डालने का कार्य समाप्त हो जाता है और सभी स्नान आदि करके नए वस्त्र धारण कर अपने मित्रों ओर परिचितों से मिलने के लिए निकल जाते हैं। फिर भिन्न-भिन्न प्रकार के व्यंजनों के खान-पान का दौर चलता है।

होली के त्योहार की कथा भक्त प्रह्लाद से जुड़ी हुई है। प्रह्लाद के पिता हिरण्यकशिपु नास्तिक थे और प्रह्लाद ईश्वर-भक्त थे। उनके पिता को

प्रह्लाद का भक्ति-मार्ग पसंद नहीं था। वे उसे भक्ति-मार्ग से विमुख करने के लिए अनेक कष्ट और यातनाएँ देते थे। प्रह्लाद की बुआ होलिका को आग से जलने का वरदान प्राप्त था। वह एक दिन प्रह्लाद को दंड देने के लिए उसको गोद में लेकर आग में बैठ गई, किंतु यह ईश्वर का चमत्कार ही था कि होलिका तो उस आग में भस्म हो गई, किंतु प्रह्लाद का कुछ भी नहीं बिगड़ा। उसी दिन से यह त्योहार मनाया जा रहा है।

होली का त्योहार पाप पर पुण्य की विजय का प्रतीक है। हमें इसे स्वच्छ एवं पवित्र बनाए रखते हुए सामाजिक एकता के पर्व के रूप में मनाना चाहिए।

(घ) दूरदर्शन

आज के युग को विज्ञान का युग कहा जाता है। विज्ञान ने मनुष्य को अनेक उपहार दिए हैं। दूरदर्शन भी उनमें से एक है। इसके द्वारा घर बैठ कर ही मनोरंजन कर सकते हैं।

दूरदर्शन अंग्रेजी शब्द टेलीविजन का हिंदी पर्याय है। 'टेली' का अर्थ है 'दूर' तथा 'विजय' का अर्थ है 'देखना' अर्थात् दूर के दृश्यों को दिखाने वाला। पहले मनोरंजन का साधन रेडियो हुआ करता था। जिसके द्वारा हम विभिन्न कार्यक्रमों को सुन तो सकते थे लेकिन देख नहीं सकते थे। दूरदर्शन का आविष्कार सन् 1925 में महान् वैज्ञानिक जेम्स लॉगी बेयर्ड ने किया था।

13 सितंबर, 1959 को तात्कालिक राट्रपति डॉ० राजेंद्र प्रसाद ने दूरदर्शन के प्रथम प्रसारण केंद्र का उद्घाटन किया। हमें टी० वी० से काफी जानकारी मिलती है। देश-विदेश की घटनाओं का आँखों देखा हाल भी देखने को मिलता है। पहले केवल श्याम चित्र आते थे पर आजकल रंगीन चित्रों को पेश किया जाता है। दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले सीरियल महाभारत, रामायण, हम लोग, चाणक्य आदि विदेशों में भी पसंद किए गए। आजकल इसमें मौसम संबंधी जानकारी, स्वास्थ्य, संसद समाचार, कानूनी जानकारी जैसे अनेक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम दिखाए जाते हैं। वीडियो कांफ्रेंसिंग में आप दूर बैठे व्यक्ति से बात कर सकते हैं। पाठ पढ़ाया जा सकता है। प्रश्न पूछे जा सकते हैं। इंटरनेट से संसार भर की सारी जानकारी टेलीविजन की स्क्रीन पर मिल जाती है। आज के युग में टेलीविजन सर्वाधिक उपयोगी यंत्र सिद्ध हो रहा है।

रेडियो सुनते-सुनते व्यक्ति काम भी करते रहते थे। टेलीविजन में तो देखना भी होता है, अतः दर्शक सब काम छोड़ कर इसके सामने बैठ जाता है। इस कारण से इसे निकम्मे लोगों का डिब्बा भी कहा जाता है। इसके अधिक प्रयोग से आँखों पर बुरा असर पड़ता है। विद्यार्थियों का कर्तव्य है कि वे इसका प्रयोग ज्ञानवर्धन के लिए ही करें तथा अपने समय को अधिक बरबाद न करें।

(ङ) गणतंत्र दिवस

हमारे राष्ट्रीय त्योहारों में गणतंत्र दिवस का प्रमुख स्थान है। प्रतिवर्ष 26 जनवरी का दिन धूमधाम से गणतंत्र-दिवस के रूप में मनाया जाता है।

15 अगस्त 1947 को हम गुलामी की जंजीरों को तोड़कर आजाद हो गए, पर उस समय हमारा कोई संविधान नहीं था। स्वतंत्र भारत का संविधान 26

जनवरी 1950 को लागू किया गया था। तभी से 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

देश की राजधानी दिल्ली की छटा इस दिन निराली होती है। विजय चौक से लेकर लाल किले तक जाने वाली परेड इस समारोह का मुख्य आकर्षण होती है।

लगभग 8.00 बजे राष्ट्रपति की सवारी इंडिया गेट से निकलते हुए विजय चौक पहुँचती है वहाँ वे तिरंगा फहराते हैं। उन्हें इक्कीस तोपों की सलामी दी जाती है। उसके बाद तीनों सेनाओं के सैनिक राष्ट्रपति को सलामी देते और मार्च करते हुए आगे बढ़ते हैं।

इस अवसर पर विभिन्न अस्त्र-शस्त्र, टैंक, तोपों आदि का प्रदर्शन किया जाता है। फिर विभिन्न राज्यों के लोकनर्तक और बच्चे अपनी कलाओं का प्रदर्शन करते हैं। विभिन्न राज्यों की मनोरम झाकियाँ सबको आकर्षित करती हैं। अंत में वायु सेना के विमानों की टुकड़ियाँ आकाश में तरह-तरह के करबत दिखाती हुई राष्ट्रपति को सलामी देती हैं।

गणतंत्र दिवस पर सभी सरकारी भवनों पर रोशनी की जाती है और तिरंगा फहराया जाता है। स्कूलों-कॉलेजों में भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। बहुत से विद्यालयों में बच्चों का पथ संचलन भी होता है। इस दिन सार्वजनिक अवकाश रहता है। हमें इस दिन देश की रक्षा ओर देशभक्ति का संकल्प लेना चाहिए।

1 भाषा लिपि व व्याकरण

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) भाषा विचारों के आदान-प्रदान का वह साधन है जो लिखने अथवा बोलने के प्रयोग में लाई जाती है।

(ख) भाषा के तीन रूप होते हैं–1. मौखिक भाषा तथा 2. लिखित भाषा तथा 3. सांकेतिक भाषा।

(ग) जब हम बोलकर अपने विचार प्रकट करते हैं तथा सुनकर दूसरे के विचार को समझते हैं, तो उस भाषा को मौखिक भाषा कहते हैं।

(घ) किसी भाषा के विस्तार क्षेत्र के विशाल होने के कारण उसके स्थानीय रूप का जन्म होता है। भाषा के इस स्थानीय रूप को बोली कहा जाता है।

(ङ) संस्कृत भाषा की लिपि देवनागरी है।

(च) किसी भाषा के प्रयोग की नियमावली को व्याकरण कहते हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **भाषा** का प्रयोग बोलने या लिखने में किया जाता है।

(ख) भाषा के तीन भेद होते हैं–मौखिक भाषा, लिखित भाषा और **सांकेतिक** भाषा।

(ग) भाषा का स्थानीय रूप **बोली** कहलाता है।

(घ) किसी भाषा को लिखने की विधि **लिपि** कहलाती है।

(ङ) हिंदी भाषा की लिपि **देवनागरी** है।

(च) **व्याकरण** भाषा को शुद्ध बोलना तथा लिखना सिखाता है।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✓)

4. अपने राज्य की भाषा व बोली के नाम और उनकी लिपि का नाम लिखिए।

उत्तर– स्वयं कीजिए।

5. निम्नलिखित भाषाओं की लिपि लिखिए–

उत्तर– (क) देवनागरी (ख) फारसी (ग) रोमन

(घ) गुरुमुखी (ङ) देवनागरी

6. हिंदी भाषा से आप क्या समझते हैं? पाँच पंक्तियों में लिखिए–

उत्तर– (क) हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।

(ख) हिंदी भाषा हमारे देश के बड़े भू-भाग में बोली जाती है।

(ग) हिंदी भाषा को 14 सितंबर, 1949 को राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्वीकार किया गया।

(घ) हिंदी अधिकतर राज्यों में संपर्क भाषा है।

(ङ) हिंदी अनेक प्रांतों की राजभाषा है–उत्तर प्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली और अंडमान-निकोबार आदि आदि राज्यों की राजभाषा भी है।

2 वर्ण-विचार

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) वह छोटी-से-छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े न किए जा सके वर्ण कहलाती है।

(ख) वर्ण के तीन प्रकार होते हैं–1. स्वर; जैसे–आ, इ, ई, उ, ऊ 2. व्यंजन; जैसे–क, ख, ग, घ, ङ ; 3. अयोगवाह; जैसे–अं (ं), अँ (ँ), अः (ः)।

(ग) ऊष्म व्यंजन चार होते हैं–श्, ष्, स्, ह्।

(घ) संयुक्त व्यंजन–क्ष, त्र, ज्ञ और श्र हैं।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **वर्ण** भाषा की सबसे छोटी इकाई है।

(ख) हिंदी भाषा में वर्णों के क्रमिक समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।

(ग) स्वर के **तीन** भेद होते हैं।

(घ) जिन स्वरों का उच्चारण करते समय सबसे कम समय लगता है, उन्हें **ह्रस्व स्वर** कहते हैं।

3. निम्नलिखित व्यंजनों में से स्पर्श, अंतःस्थ तथा ऊष्म व्यंजन छाँटकर लिखिए–

उत्तर–

स्पर्श	**क, च, ट, त, प, ण, ड, ग, फ**
अंतःस्थ	**य, र, ल, व**
ऊष्म	**श,ष, स, ह**

3 शब्द-विचार

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) वर्णों के मेल से बने सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

(ख) हिंदी में शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित आधारों पर किया जाता है–

(i) अर्थ के आधार पर शब्द-भेद

(ii) उत्पत्ति अथवा स्रोत के आधार पर शब्द-भेद

(iii) व्युत्पत्ति अथवा रचना के आधार पर शब्द-भेद

(iv) प्रयोग के आधार पर शब्द-भेद।

(ग) व्युत्पत्ति अथवा रचना की दृष्टि से शब्दों को तीन भागों में बाँटा गया है–रूढ़ शब्द, यौगिक शब्द और योगरूढ़ शब्द।

(घ) वाक्य में प्रयोग करते समय जिन शब्दों के रूप में किसी भी कारण से विकार या परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। उदाहरण–

- लड़का **तेज** दौड़ा।
- लड़के **तेज** दौड़े।
- वह **आज** आएगा।
- वे **आज** आएँगे।
- उठो **और** दौड़ो।
- आओ **और** खाओ।
- कमरे के **भीतर** बैठो।
- चलो **भीतर** आ जाओ।

इन उदाहरणों में तेज, आज, और तथा भीतर शब्द सभी परिस्थितियों में समान हैं, इनमें विकार नहीं आया है। अतः ये अविकारी शब्द हैं।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) जो शब्द परस्पर विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं, उन्हें **विलोमार्थी** शब्द कहते हैं।

(ख) प्रत्येक शब्द में **वर्णों** अथवा ध्वनियों का क्रम निश्चित होता है।

(ग) जिन शब्दों से एक ही अर्थ का बोध होता है, उन्हें **एकार्थी** शब्द कहते हैं।

(घ) जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें **पर्यायवाची** शब्द कहते हैं।

3. प्रत्येक के लिए तीन-तीन शब्द लिखिए–

उत्तर– यौगिक शब्द = **रसोईघर, सेनापति, वायुयान**

योगरूढ़ शब्द = **लंबोदर, दशानन, नीलकंठ**

अनेकार्थी शब्द = **उत्तर, गुरु, फल**

4. निम्नलिखित तद्भव शब्दों का उनके तत्सम रूपों से उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

तद्भव शब्द		**तत्सम शब्द**
(क) चाँद	(i)	अग्नि
(ख) साँप	(ii)	दधि
(ग) सूरज	(iii)	अश्रु
(घ) आँसू	(iv)	चंद्र
(ङ) आग	(v)	सर्प
(च) दही	(vi)	सूर्य

4 शब्द-रचना

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जो शब्दांश किसी शब्द से पहले जुड़कर उसका अर्थ बदल देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

(ख) शब्दों की रचना निम्न चार प्रकार से कर सकते हैं–1. संधि द्वारा, 2. समास द्वारा, 3. प्रत्यय द्वारा, 4. उपसर्ग द्वारा।

(ग) जो शब्दांश किसी शब्द के बाद जुड़कर उसका अर्थ बदल देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

(घ) संधि का अर्थ है–मेल। व्याकरण में यह मेल दो वर्णों के निकट आ जाने से होता है; जैसे–धर्म + अर्थ = धर्मार्थ, हिम + आलय = हिमालय, प्राण + आयाम = प्राणायाम

(ङ) **समास और संधि में निम्न अंतर है–**

समास ओर संधि में मुख्य भेद यह है कि समास में शब्दों (पदों) का मेल होता है और संधि में वर्णों का मेल होता है। समास के पदों को अलग करने की क्रिया को विग्रह कहते है, जबकि संधियुक्त शब्द को अलग करने की प्रक्रिया संधि-विच्छेद कहलाती है, जैसे–विद्यालय = विद्या का आलय समास-विग्रह विद्यालय = विद्या + आलय संधि-विच्छेद कहलाता है।

2. निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्दों का निर्माण कीजिए–

उत्तर– (क) अभि = **अभियोग** **अभिलाषा**
(ख) अप = **अपशब्द** **अपमान**
(ग) परि = **परिवार** **परिणाम**
(घ) अ = **अधर्म** **अज्ञान**
(ङ) सु = **सुपुत्र** **सुलभ**

3. निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्दों का निर्माण कीजिए–

उत्तर– (क) ईय = **राष्ट्रीय** **जातीय**
(ख) इक = **धार्मिक** **सामाजिक**
(ग) ता = **ममता** **प्रभुता**
(घ) पन = **बचपन** **लड़कपन**
(ङ) आई = **भलाई** **मिठाई**

4. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए–

उत्तर– (क) सूर्य + उदय = **सूर्योदय** (ख) सत् + जन = **सज्जन**
(ग) हिम + आलय = **हिमालय** (घ) मनः + रथ = **मनोरथ**
(ङ) नै + अक = **नायक** (च) उत् + योग = **उद्योग**
(छ) सदा + एव = **सदैव** (ज) नमः + कार = **नमस्कार**
(झ) प्राण + आयाम = **प्राणायाम** (ञ) परम + ईश्वर = **परमेश्वर**

5. निम्नलिखित समास विग्रहों के शब्द बनाइए–

उत्तर– (क) घनश्याम (ख) राजकुमार (ग) दशानन
(घ) राष्ट्रपिता (ङ) नीलकंठ (च) धनहीन

6. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग अलग करके लिखिए–

उत्तर– (क) अत्याचार **अति** (ख) भरपेट **भर**
(ग) प्रभाव **प्र** (घ) स्वराज्य **स्व**
(ङ) उपकार **उप** (च) परिश्रम **परि**
(छ) अधिकार **अधि** (ज) प्रतिदिन **प्रति**
(झ) सफल **स** (ञ) दुर्बल **दु**

7. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके लिखिए–

उत्तर– (क) घटिया **या** (ख) बढ़िया **या**
(ग) घबराहट **हट** (घ) पत्रकार **कार**
(ङ) सजावट **वट** (च) पूजनीय **ईय**
(छ) जादूगर **गर** (ज) दयालु **आलु**

5 संज्ञा और उसके भेद

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जिन शब्दों से किसी स्थान, प्राणी, वस्तु अथवा भाव का बोध होता है, उन्हें संज्ञा कहते हैं; जैसे–व्यक्ति, गाय, दिल्ली, कुर्सी आदि।

(ख) साधारणतः संज्ञा के तीन प्रकार माने जाते हैं–1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 2.

जातिवाचक संज्ञा, 3. भाववाचक संज्ञा।
परंतु कुछ विद्वान संज्ञा के दो प्रकार और मानते हैं–4. समूहवाचक संज्ञा, 5. पदार्थवाचक संज्ञा

(ग) **व्यक्तिवाचक और भाववाचक संज्ञा में निम्न अंतर है–**
जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, विशेष स्थान, विशेष पशु अथवा विशेष वस्तु आदि का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे–श्रीकृष्ण, गांधी जी, सुभाषचंद्र बोस, गीता, हरिद्वार, आगरा, महाराणा प्रताप, चेतक, रामायण आदि।
जिन शब्दों से किसी व्यक्ति के गुण, दोष, दशा, भाव, अवस्था तथा स्वभाव आदि का ज्ञान हो, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे–प्रसन्नता, बचपन, बुढ़ापा, गरमी, मिठास, सौंदर्य, कठोरता आदि।

(घ) जिन शब्दों से किसी धातु या पदार्थ (जिनसे अन्य वस्तुएँ बनाई जाती हैं) का बोध हो, उन्हें पदार्थवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे–सोना, चाँदी, लोहा, लकड़ी, घी, तेल आदि।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) संज्ञा के **तीन** भेद माने जाते हैं।

(ख) किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम को **व्यक्तिवाचक** संज्ञा कहा जाता है।

(ग) समूहवाचक संज्ञाएँ दोनों **वचनों** में होती हैं।

(घ) 'नगर', 'मनुष्य', 'पर्वत' **जातिवाचक** संज्ञा हैं।

3. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

उत्तर– (क) स्त्री = **स्त्रीत्व** (ख) सर्व = **सर्वस्व** (ग) मीठा = **मिठास**
(घ) अपना = **अपनापन** (ङ) निज = **निजत्व** (च) दानव = **दानवता**
(छ) युवा = **यौवन** (ज) ईमानदार = **ईमानदारी**

4. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन संज्ञा शब्द समूहवाचक हैं या पदार्थवाचक, लिखिए–

उत्तर– (क) पदार्थवाचक (ख) पदार्थवाचक (ग) पदार्थवाचक
(घ) समूहवाचक (ङ) समूहवाचक

6 लिंग

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) शब्द के जिस रूप से यह बोध हो कि वह पुरुष जाति के लिए प्रयोग हुआ है या स्त्री जाति के लिए, लिंग कहलाता है।

(ख) हिंदी में लिंग के दो प्रकार होते हैं–1. पुल्लिग तथा 2. स्त्रीलिंग।
1. पुल्लिग; जैसे–राजा, लड़का। 2. स्त्रीलिंग; जैसे–रानी, लड़की आदि।

(ग) कुछ शब्द 'नित्य पुल्लिग' होते हैं, जिनका प्रयोग सदा पुल्लिग रूप में ही किया

जाता है। इनके आगे 'मादा' लिखकर इन्हें स्त्रीलिंग बनाया जाता है–

नित्य	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नित्य	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
चीता	मादा	चीता	कौआ	मादा	कौआ
गैंडा	मादा	गैंडा	मच्छर	मादा	मच्छर

कुछ शब्द 'नित्य स्त्रीलिंग' होते हैं, जिनका प्रयोग सदा स्त्रीलिंग रूप में ही किया जाता है। इनके आगे 'नर' लिखकर इन्हें पुल्लिंग बनाया जाता है–

नित्य	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	नित्य	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
मछली	नर	मछली	छिपकली	नर	छिपकली
चिड़िया	नर	चिड़िया	तितली	नर	तितली

(घ) निम्न प्रमुख प्रत्ययों को जोड़कर पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाया जा सकता है; जैसे–

(i) अंतिम 'आ' या 'आ' के स्थान पर ई प्रत्यय लगाने से जैसे; गूँगा = गूँगी, मामा = मामी।

(ii) अंतिम 'अक' के स्थान पर 'इका' करने से; जैसे–लेखक = लेखिका, नायक = नायिका।

(iii) तत्सम शब्दों के अंतिम 'आ' को 'आ' करके; जैसे–छात्र = छात्रा, पूज्य = पूज्या।

(iv) कुछ पुल्लिग शब्दों के अंत में 'इन' प्रत्यय लगाकर; जैसे–नाग = नागिन, माली = मालिन।

(v) कुछ पुल्लिग शब्दों के अंत में 'आनी' जोड़कर; जैसे–सेठ = सेठानी, नौकर = नौकरानी।

(vi) कुछ पुल्लिग शब्दों के अंत में 'नी' जोड़कर; जैसे–मोर = मोरनी, ऊँट = ऊँटनी।

(vii) कुछ पुल्लिग शब्दों के अंत में 'आइन' जोड़कर; जैसे–ठाकुर = ठकुराइन, लाला = ललाइन।

(viii) कुछ पुल्लिग शब्दों के अंत में 'ईनी' जोड़कर; जैसे–हाथी = हथिनी, स्वामी = स्वामिनी आदि।

2. रंगीन शब्दों का लिंग परिवर्तन करते हुए रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) मीनाक्षी के एक बेटा और एक **बेटी** है।

(ख) मेरे पास कई छात्र तथा **छात्रा** पढ़ने आते हैं।

(ग) हमारे विद्यालय में तीन अध्यापिकाएँ और पाँच **अध्यापक** हैं।

(घ) जितना सुंदर मोर होता है उतनी सुंदर **मोरनी** नहीं होती।

(ङ) शेर दहाड़ रहा था जबकि **शेरनी** चुपचाप लेटी थी।

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए–

उत्तर– (क) सेठ **पुल्लिंग** (ख) मालिन **स्त्रीलिंग**

(ग) मोर **पुल्लिंग** (घ) बुढ़िया **स्त्रीलिंग**

(ङ) देव **पुल्लिंग** (च) बालक **पुल्लिंग**

(छ) भवन **पुल्लिंग** (ज) सिंहनी **स्त्रीलिंग**

(झ) हाथी **पुल्लिंग** (ञ) गाय **स्त्रीलिंग**
(ट) लड़की **स्त्रीलिंग** (ठ) औरत **स्त्रीलिंग**

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

उत्तर– (क) हाथी **हथिनी** (ख) मोरनी **मोर**
(ग) गायिका **गायक** (घ) श्रीमती **श्रीमान**
(ङ) हंस **हंसिनी** (च) दर्जी **दर्जिन**
(छ) डिब्बा **डिब्बियाँ** (ज) लुहार **लुहारिन**
(झ) मुर्गी **मुर्गा** (ञ) दास **दासी**

5. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✓) (ङ) (✗)

6. निम्नलिखित उदाहरण को देखकर शब्दों के उचित जोड़े बनाइए–

उत्तर–

लेखक	लेखिका	हंस	हंसिनी
ठाकुर	ठकुराइन	नाग	नागिन
प्रिय	प्रिया	नायक	नायिका
माली	मालिन	रूपवान	रूपवती

7 वचन

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जिस शब्द से संज्ञा, सर्वनाम एवं क्रिया की संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं; जैसे–लड़का-लड़के, माला-मालाएँ, पुस्तक-पुस्तकें आदि।

(ख) हिंदी में वचन दो प्रकार के होते हैं–1. एकवचन 2. बहुवचन।
एकवचन–विकारी शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक होने का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे–लड़का, गधा, पुस्तक, बिल्ली, कपड़ा आदि।
बहुवचन–विकारी शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे–लड़के, गधे, पुस्तकें, बिल्लियाँ, कपड़े आदि।

(ग) कुछ शब्दों का प्रयोग सदैव एकवचन में ही होता है; जैसे–जनता, चाय, भीड़, घी आदि।

(घ) हिंदी में आदर प्रकट करने में एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

भाई साहब कमरे में बैठे हैं।	(बैठा है)
गुप्ता जी फल ले आए हैं।	(ले आया है)
पिता जी ऑफिस चले गए हैं।	(चला गया है)

2. रंगीन शब्दों के वचन लिखिए–

उत्तर– (क) एकवचन (ख) बहुवचन
(ग) एकवचन (घ) एकवचन

3. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

उत्तर– (क) पुस्तक **पुस्तकें** (ख) माता **माताएँ**
(ग) खाट **खाटें** (घ) कथा **कथाएँ**
(ङ) आँख **आँखें** (च) लता **लताएँ**
(छ) रानी **रानियाँ** (ज) चौराहा **चौराहें**
(झ) धातु **धातुएँ** (ञ) तोता **तोते**
(ट) जाति **जातियाँ** (ठ) लू **लुएँ**

4. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्यों की रचना कीजिए–

उत्तर– (क) परिवार = ऋषि का परिवार एक खुशहाल **परिवार** है।
(ख) दल = जंगल के सभी जानवरों ने अपना-अपना अलग **दल** बनाया।
(ग) हाथी = **हाथी** एक विशालकाय पशु है।
(घ) सेना = भारतीय **सेना** बहुत ही शक्तिशाली थी।
(ङ) जाति = हिंदू धर्म में विभिन्न **जातियाँ** पायी जाती हैं।
(च) कुटिया = साधु अपनी **कुटिया** में तपस्या कर रहा था।
(छ) अध्यापिका = **अध्यापिका** बच्चों को पढ़ा रही हैं।

5. उचित वचनों का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) लता **कपड़े** धो रही है। (ख) शेखर **पुस्तक** पढ़ रहा है।
(ग) लड़कियाँ **मालाएँ** बना रही हैं। (घ) **बकरियाँ** घास चर रही हैं।
(ङ) तालाब में **मछलियाँ** तैर रही हैं। (च) मेढक टर्र-टर्र कर **रहे** हैं।

6. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✓)

8 सर्वनाम

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहा जाता है।

(ख) सर्वनाम के छह भेद होते हैं–

(i) पुरुषवाचक सर्वनाम; जैसे–मैं, तुम, हम आदि।
(ii) निश्चयवाचक सर्वनाम; जैसे–यह, ये, वे, वह आदि।
(iii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम; जैसे–कोई, कुछ, किसी आदि।
(iv) संबंधवाचक सर्वनाम; जैसे–जो, जैसा, उसकी आदि।
(v) प्रश्नवाचक सर्वनाम; जैसे–किसके, कौन, क्या आदि।
(vi) निजवाचक सर्वनाम; जैसे–स्वयं, खुद, आप आदि।

(ग) **पुरुषवाचक सर्वनाम**–बोलने वाले, सुनने वाले या किसी अन्य व्यक्ति के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग होता है, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
प्रश्नवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों से प्रश्न पूछने का बोध हो, वह प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

(घ) **संबंधवाचक सर्वनाम**–जो सर्वनाम वाक्य में आने वाले दूसरे सर्वनाम से संबंध दर्शाएँ, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। ये प्रमुख हैं–जो, जैसा, जिसकी, उसकी आदि।

निजवाचक सर्वनाम–कर्ता के निजत्व के लिए प्रयुक्त सर्वनाम शब्द निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे–स्वयं, अपने-आप, खुद आदि।

2. उचित सर्वनामों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) दूध में **कुछ** गिर गया है। (ख) वह **वहाँ** पहुँच जाएगी।
(ग) रवि **कौन-सी** कक्षा में पढ़ता है? (घ) सर्वनाम **छह** प्रकार के होते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) मैंने खाना खा लिया। (ख) मैं बात कर चुका हूँ।
(ग) रोगी के पास कौन खड़ा है। (घ) किसने विनय को गिरा दिया।

4. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों के सर्वनाम-भेद लिखिए–

उत्तर– (क) प्रश्नवाचक सर्वनाम (ख) निश्चयवाचक सर्वनाम
(ग) संबंधवाचक सर्वनाम (घ) निजवाचक सर्वनाम
(ङ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

5. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✗) (घ) (✗) (ङ) (✓)

6. निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों का उचित प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) मैं = **मैं** स्कूल जा रहा हूँ।
(ख) मुझे = **मुझे** यह शर्ट पसंद है।
(ग) तुझको = हे माँ मैं **तुझको** प्रणाम करता हूँ।
(घ) आप = मैं अपने-**आप** खा लूँगा।
(ङ) तुम = **तुम** कल क्या बोल रहे थे?
(च) जैसा-वैसा = **जैसा** काम **वैसा** दाम।
(छ) मेरे = ये **मेरे** छोटे चाचाजी है।

9 विशेषण

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जो शब्द संज्ञा या सर्वनामों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

(ख) विशेषण पाँच प्रकार के होते हैं–(i) गुणवाचक विशेषण, (ii) परिमाणसूचक विशेषण, (iii) संख्यावाचक विशेषण, (iv) सार्वनामिक विशेषण और (v) व्यक्तिवाचक विशेषण।

(ग) विशेषण शब्द जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहा जाता है।

(घ) जब एक वस्तु की तुलना बहुत-सी वस्तुओं से की जाती है और उसकी विशेषता बताकर उसे सबसे श्रेष्ठ या सबसे निम्न बताया जाता है, तब वह वस्तु की उत्तमावस्था कहलाती है; जैसे–कनिका कक्षा में सबसे सुंदर है।

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विशेषण शब्द भरकर रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) गौरव कक्षा **पाँच** में पढ़ता है। (ख) बाजार से **तीन मीटर** कपड़ा लाओ।
(ग) वकील ने **काला** कोट पहना है। (घ) वह एक **सच्चा** देशभक्त है।
(ङ) वह एक **ईमानदार** बालक है।

3. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाइए–

उत्तर– (क)	विदेश	**विदेशी**	(ख)	सप्ताह	**साप्ताहिक**
(ग)	वर्ष	**वार्षिक**	(घ)	पालना	**पालने वाला**
(ङ)	समाज	**सामाजिक**	(च)	राजनीति	**राजनैतिक**
(छ)	शहर	**शहरी**	(ज)	भूलना	**भूलक्कड़**
(झ)	पढ़ना	**पढ़ाकू**	(ञ)	हम	**हमारा**
(ट)	दूध	**दुधारू**	(ठ)	राष्ट्र	**राष्ट्रीय**

4. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण-विशेष्य अलग-अलग करके लिखिए–

	विशेषण	**विशेष्य**		**विशेषण**	**विशेष्य**
उत्तर– (क)	थोड़ा	पानी	(ख)	बड़े	दरिया
(ग)	चतुर्मुखी	मूर्ति	(घ)	कीमती	हार
(ङ)	कम	वेतन			

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) बहुत = अंगूर **बहुत** खटटे हैं।
(ख) सरल = यह कार्य मेरे लिए अत्यंत **सरल** है।
(ग) गरीब = किसी गाँव में एक **गरीब** किसान रहता था।
(घ) बीमार = वह बुढ़िया बहुत **बीमार** है।
(ङ) अति = डॉक्टर का वहाँ पहुँचना **अति** आवश्यक है।
(च) रोगी = **रोगी** के लिए दवा लाओ।

6. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✗) (घ) (✓) (ङ) (✗) (च) (✓)

10 कारक

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उनका संबंध क्रिया के साथ जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं; जैसे–राम ने रावण को मारा, पेड़ पर बंदर बैठा है।

(ख) हिंदी में कारक के आठ भेद माने जाते हैं–1. कर्ता कारक 2. कर्म कारक 3. करण कारक 4. संप्रदान कारक 5. अपादान कारक 6. संबंध कारक 7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक।

(ग) करण कारक के विभक्ति चिह्न 'से' तथा 'के द्वारा' हैं।

(घ) **करण कारक तथा अपादान कारक में निम्न अंतर है–**
इन दोनों कारकों में **से** विभक्ति चिह्न का प्रयोग होता है। करण कारक में

इसका प्रयोग साधन या उपाय के अर्थ में होता है, जबकि अपादान कारक में 'अलग होना' के अर्थ में होता है।

(ङ) जिस शब्द का प्रयोग किसी को पुकारने या सचेत करने के लिए किया जाए, उसे संबोधन कारक कहते हैं। इसके चिह्न हे!, अरे!, ओह! हैं।

2. कारक चिह्नों से रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) गाय घास के मैदान **में** चरती है। (ख) मैं कलम **से** लिखता हूँ।
(ग) यह पुस्तक सौरभ **की** है। (घ) मोहन **ने** पुस्तक पढ़ी।
(ङ) सरिता पेंसिल **को** छीलती है। (च) पेड़ **पर** बंदर बैठे हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के कारक लिखिए–

उत्तर– (क) अधिकरण कारक (ख) कर्ता कारक (ग) अधिकरण कारक
(घ) संप्रदान कारक (ङ) कर्म कारक

4. वाक्य बनाकर निम्नलिखित के उदाहरण दीजिए–

उत्तर– (क) रितेश भिखारी को भोजन खिला रहा है।
(ख) मोहन ने शेर देखा। (ग) विशाल ने खाना खाया।
(घ) मीरा भजन गा रही है। (ङ) आदित्य ने छड़ी से साँप मारा।

5. निम्नलिखित कारकों का उनके चिह्नों से उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

(क)	कर्ता कारक	(i)	में, पर
(ख)	करण कारक	(ii)	के लिए
(ग)	अपादान कारक	(iii)	ने
(घ)	अधिकरण कारक	(iv)	से
(ङ)	संप्रदान कारक	(v)	से (पृथकता)

6. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✓) (ङ) (✗)

11 क्रिया, काल और वाच्य

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।

(ख) **क्रिया के भेद निम्न हैं–**

1. कर्म के आधार पर क्रिया के भेद–

कर्म की दृष्टि से क्रिया के दो भेद होते हैं–1. अकर्मक क्रिया, 2. सकर्मक क्रिया।

(i) अकर्मक क्रिया; जैसे–बच्चा रोता है। चिड़िया उड़ती है।

(ii) सकर्मक क्रिया; जैसे–राम ने बाण चलाया, मीरा खीर खाती है।

2. संरचना के आधार पर क्रिया के भेद–संरचना की दृष्टि से क्रिया के निम्नलिखित पाँच भेद होते हैं–

(i) संयुक्त क्रिया; जैसे–उसे खेलने दो, कवि कविता पढ़ने लगा।

(ii) प्रेरणार्थक क्रिया; जैसे–रवि ने हरि से फोटो खिंचवाया।
(iii) पूर्वकालिक क्रिया; जैसे–ममता बैठकर पढ़ रही है।
(iv) नामधातु क्रिया; जैसे–हाथ = हथियाना, अपना = अपनाना, साठ = सठियाना।
(v) विधिसूचक क्रिया; जैसे–दिनेश खड़े हो जाओ, कृपया बैठे रहिए।

(ग) क्रिया के जिस रूप से हमें क्रिया के होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।
काल तीन प्रकार के होते हैं–1. भूतकाल, 2. वर्तमान काल तथा 3. भविष्यत् काल।

(घ) **वर्तमान काल व भूतकाल में निम्न अंतर हैं–**
क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि क्रिया का होना या करना अभी चल रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं। इस काल की क्रियाओं में प्रायः 'है, हैं, हूँ' आदि शब्द पाए जाते हैं।
जैसे–चिड़िया उड़ती है। लड़के खेल रहे हैं।
क्रिया के जिस रूप से उसके बीते हुए समय में होने का बोध हो, उसे भूतकाल कहा जाता है; जैसे–
बच्चे विद्यालय जा चुके थे।
जब रात में वर्षा हुई, तब मैं सो रहा था।

(ङ) क्रिया के जिस रूपांतर से यह पता चले कि वाक्य में क्रिया व्यापार का प्रधान विषय कर्ता, कर्म या क्रिया का भाव है वह वाच्य कहलाता है।

(च) वाच्य के तीन प्रकार होते हैं–कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य।
(i) कर्तृवाच्य; जैसे–बच्चा फल खाता है।
(ii) कर्मवाच्य; जैसे–हरि से पत्र लिखा जाता है।
(iii) भाववाच्य; जैसे–बीमार से सोया नहीं जाता।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) क्रिया का अर्थ है **'कार्य' करना या** होना।
(ख) जिस मूल शब्द से क्रिया बनती है, उसे **धातु** कहते हैं।
(ग) कर्म की दृष्टि से क्रिया के **दो** भेद होते हैं।
(घ) वाच्य के **तीन** रूप माने जाते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद चुनिए व उनकी धातु भी बताइए–

उत्तर–

	क्रियापद	धातु		क्रियापद	धातु
(क)	खेलता	खेल	(ख)	जाऊँगा	जा
(ग)	पढ़ी	पढ़	(घ)	लाया	ला
(ङ)	हँस रहे हो	हँस			

4. निम्नलिखित वाक्यों को अन्य दो कालों में बदलकर लिखिए–

उत्तर– (क) सोनू स्कूल गया था।
सोनू स्कूल जाएगा।

(ख) निधि खाना बना रही है।
निधि खाना बनाएँगी।

(ग) हम कल बाजार गए थे।
हम बाजार जा रहे हैं।

12 अविकारी शब्द (अव्यय)

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जिन शब्दों का लिंग, वचन, कारक, पुरुष और काल आदि के कारण रूप परिवर्तित नहीं होता है, उन्हें अविकारी अथवा 'अव्यय' शब्द कहते हैं।

(ख) क्रियाविशेषण के चार मुख्य प्रकार हैं–(क)कालवाचक, (ख) स्थानवाचक, (ग) परिमाणवाचक, (घ) रीतिवाचक।

(ग) **स्थानवाचक क्रियाविशेषण**–वे शब्द जो क्रिया के होने के स्थान का बोध कराते हैं, स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे–बच्चे वहाँ खेल रहे हैं। पक्षी इधर-उधर उड़ रहे हैं।

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण–वे शब्द जो क्रिया की मात्रा या परिमाण का बोध कराते हैं, परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे–कुछ खा लो। थोड़ा पढ़ो, बहुत सीखो।

(घ) वाक्य में प्रयुक्त जिन शब्दों के द्वारा 'घृणा, हर्ष, शोक, क्रोध' आदि भावावेग प्रकट होते हैं, वे शब्द विस्मयादिबोधक अव्यय कहलाते हैं।

2. उचित अव्ययों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **वाह!** कैसा सुहावना मौसम है।

(ख) नदी का बहाव **तेज** है।

(ग) पेड़ **के ऊपर** बंदर बैठा है।

(घ) हम पार्क में नहीं खेल सकते **क्योंकि** बारिश हो रही है।

(ङ) मेरा बस्ता **वहाँ** रखा है।

3. निम्नलिखित वाक्यों में से अव्यय शब्द चुनकर लिखिए–

उत्तर– (क) वहाँ (ख) तुरंत (ग) प्रतिदिन (घ) जल्दी-जल्दी

13 वाक्य-विचार

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जिस शब्द-समूह से पूर्णतया अर्थ स्पष्ट होता है, उसे वाक्य कहा जाता है।

(ख) **उद्देश्य**–वाक्य में जिसके विषय में जो कुछ बताया या विधान किया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।

विधेय–उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा या बताया जाए, उसे विधेय कहते हैं।

(ग) अर्थ की दृष्टि से वाक्य निम्नलिखित आठ प्रकार के होते हैं–

(i) विधानवाचक वाक्य, (ii) निषेधवाचक वाक्य, (iii) प्रश्नवाचक वाक्य, (iv) विस्मयादिबोधक वाक्य, (v) आज्ञावाचक वाक्य, (vi) संदेहवाचक वाक्य, (vii) इच्छावाचक वाक्य, (viii) संकेतवाचक वाक्य।

(घ) रचना या स्वरूप के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं–1. सरल /साधारण वाक्य, 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्र वाक्य।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) क्रमबद्ध, व्यवस्थित एवं सार्थक शब्द-समूह को ही **वाक्य** कहा जाता है।

(ख) उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा या बताया जाए, वह **विधेय** कहलाता है।

(ग) जिस वाक्य में एक ही क्रिया होती है, उसे **सरल वाक्य** कहते हैं।

(घ) अर्थ की दृष्टि से वाक्य के **आठ** भेद होते हैं।

(ङ) जो वाक्य आज्ञा, आदेश, अनुरोध या अनुमति का बोध कराएँ **आज्ञावाचक** कहलाते हैं।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✗) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✗)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय चुनकर लिखिए–

उत्तर–

	उद्देश्य	**विधेय**
(क)	शेर	जंगल का राजा है।
(ख)	हिमालय	सबसे ऊँचा पर्वत है।
(ग)	तुम्हारी बहन	पढ़ रही है।
(घ)	राधिका	खाना पका रही है।
(ङ)	बच्चे	स्कूल जा रहे हैं।

5. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठकों में दिए गए निर्देश के अनुसार पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) अमित स्कूल क्यों नहीं जाएगा? (ख) सोहन नहीं खेलता है।

(ग) सुनिता ने खाना नहीं बनाया। (घ) दरवाजा बंद कर दो।

6. निम्नलिखित वाक्यों के सामने साधारण, मिश्रित अथवा संयुक्त वाक्य लिखिए–

उत्तर– (क) मिश्रित वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य

(घ) मिश्रित वाक्य (ङ) साधारण वाक्य

14 विराम-चिह्न

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) लिखित भाषा में स्पष्टता लाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

(ख) हिंदी में मुख्य रूप से निम्नलिखित विराम-चिह्न है–पूर्ण विराम, अल्प विराम, अर्ध विराम, योजक चिह्न, प्रश्नवाचक चिह्न, विस्मयादिबोधक चिह्न, उद्धरण चिह्न, उप विराम, निर्देशक चिह्न, विवरण चिह्न, संक्षेप सूचक या लाघव चिह्न, कोष्ठक, त्रुटिपूरक।

(ग) जिन वाक्यों में प्रश्न पूछा जाता है, उनके अंत में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–आज क्या तारीख है?, तुम्हारा क्या नाम है?

(घ) **योजक चिह्न तथा निर्देशक चिह्न में निम्न अंतर है–**

योजक चिह्न–इस चिह्न का प्रयोग मुख्य रूप से निम्नलिखित रूपों में होता है–

(क) शब्दों अथवा 'या' के बीच में; जैसे–लाल-लाल, घर-घर, आठ-आठ, बार-बार आदि।

(ख) 'और' या 'बीच में' के अर्थ में; जैसे–लव-कुश, जय-पराजय।

(ग) तुलनावाचक 'सा, से, सी' से पहले; जैसे–प्रताप-सा वीर मिलना असंभव है।

(घ) जब दो शब्दों में से एक सार्थक और दूसरा निरर्थक हो; जैसे– रोटी-वोटी, पानी-वानी आदि।

निर्देशक चिह्न–अपनी बात को स्पष्ट करने या उदाहरण देने के लिए निर्देशक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

- समस्त जीव-जंतु–हाथी, शेर, हिरन, अनावृष्टि के कारण व्याकुल थे।
- रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

इसी प्रकार नाटक के संवादों में भी इसका प्रयोग होता है; जैसे–

नौकर –स्वामी, मैंने आपका नमक खाया है।

मालिक – नमक ही खाता रहेगा या कुछ काम भी करेगा?

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) क्या तुम आज विद्यालय जाओगे?

(ख) शिक्षक ने कहा, "आज विद्यालय बंद है।"

(ग) रमा, भावना, मनीषा और अंजलि पढ़ रही हैं।

(घ) अरे! आप आ गए।

(ङ) क्या आप रोहन, करण और मुझे गणित पढ़ाएँगे?

(च) सफलता के लिए दिन रात मेहनत करो।

(छ) वाह! क्या सुंदर दृश्य है?

(ज) हर्षवर्धन कौन था? वह कहाँ का राजा था?

3. नीचे दिए गए विराम-चिह्न कहाँ प्रयुक्त किए जाते हैं?

उत्तर– (क) जिन वाक्यों में प्रश्न पूछा जाता है, उनके अंत में।

(ख) वाक्य में अपनी बात स्पष्ट करने हेतु जहाँ बहुत कम समय के लिए रुकना आवश्यक होता है।

(ग) जहाँ वाक्य की गति अंतिम रूप ले लें।

(घ) किसी रचना या किसी उपनाम को दर्शाने के लिए।

(ङ) शब्दों अथवा 'या' के बीच में 'और' या बीच में के अर्थ में।

4. निम्नलिखित विराम-चिह्नों के नाम लिखिए–

उत्तर–

(क)	(?)	**प्रश्नवाचक चिह्न**	(ख)	(,)	**अल्प विराम**
(ग)	(!)	**विस्मयादिबोधक**	(घ)	("....")	**उद्धरण चिह्न**
(ङ)	(–)	**निर्देशक चिह्न**	(च)	(।)	**पूर्ण विराम**
(छ)	(-)	**योजक चिह्न**	(ज)	(:)	**उपविराम**

5. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✗)

15 शब्द-भंडार

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) ऐसे शब्द जिसका अर्थ लगभग समान होता है पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

(ख) जो शब्द एक-दूसरे के उलटे अर्थ देते हैं, विलोम शब्द कहलाते हैं।

(ग) कुछ शब्द ऐसे भी होते हैं, जिनका अर्थ भिन्न-भिन्न प्रसंग में भिन्न-भिन्न होता है अर्थात् एक ही शब्द एक से अधिक अर्थों में इस्तेमाल होता है। इस प्रकार के शब्दों को अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) ईश्वर = **प्रभु, भगवान** (ख) गणेश = **गजानन, गणपति**

(ग) पत्नी = **वधु, भार्या** (घ) माता = **अंबा, माँ**

3. निम्नलिखित शब्द-समूहों के लिए उनके सामने दिए गए शब्दों में से उचित शब्द पर गोला (◯) बनाइए–

उत्तर–

(क)	कम खर्च करने वाला	लालची	(मितव्ययी)
(ख)	जो कभी न मरे	(अमर)	अनाथ
(ग)	जिसका कोई आकार हो	निराकार	(साकार)
(घ)	बहुत बोलने वाला	(वाचाल)	अन्यायी
(ङ)	साथ पढ़ने वाला	(सहपाठी)	सहोदर
(च)	जो जीता न जा सके	अमर	(अजेय)
(छ)	अच्छा आचरण करने वाला	(सदाचारी)	दुराचारी

16 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जब कोई वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ में प्रयोग होता है, उसे मुहावरा कहते हैं।

(ख) जन-सामान्य के अनुभवों पर आधारित उक्तियों को लोकोक्तियाँ कहते हैं।

(ग) **लोकोक्ति तथा मुहावरे में अंतर–**

1. लोकोक्ति पूर्ण वाक्य होती है, जबकि मुहावरा वाक्य-खंड होता है।
2. लोकोक्ति का प्रयोग स्वतंत्र रूप से भी किया जा सकता है, जबकि मुहावरा वाक्य में प्रयुक्त होकर ही अपना अर्थ देता है।
3. लोकोक्ति भूतकाल का लोक-अनुभव लिए हुए होती है, जबकि मुहावरा अपने रूढ़ अर्थ के लिए प्रसिद्ध होता है।

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित मुहावरे भरकर रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) शोभित ने तो बिना बात ही तिल **का ताड़** बना दिया।

(ख) सर्प को देखकर सभी के हाथ **पाँव फूल** गए।

(ग) सच्चा न्याय वही है जहाँ दूध **का दूध और पानी का पानी** हो।

(घ) पुलिस को देखकर चोर नौ **दो ग्यारह** हो गया।

(ङ) रमेश हर महीने दूसरों के आगे हाथ **फैलाता** रहता है।

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✗) (घ) (✗) (ङ) (✗)

4. स्तंभ 'क' में दी गई लोकोक्तियों का स्तंभ 'ख' में दिए गए अर्थों से मिलान कीजिए–

उत्तर–

स्तंभ 'क'	**स्तंभ 'ख'**
(क) एक पंथ दो काज	(i) बाहरी दिखावा।
(ख) घर का भेदी लंका ढाए	(ii) दोहरा लाभ।
(ग) ऊँची दुकान, फीका पकवान	(iii) एक प्रयास से दो काम सिद्ध होना।
(घ) आम के आम, गुठलियों के दाम	(iv) दूर से सभी अच्छे लगते हैं।
(ङ) दूर के ढोल सुहावने	(v) आपस की फूट विनाश का कारण होती है।

5. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) दाँत खट्टे करना = अर्थ– **बुरी तरह हरा देना**
पंजाब की हॉकी टीम ने हरियाणा की हॉकी टीम के **दाँत खट्टे कर दिए**।

(ख) पत्थर की लकीर = अर्थ– **अमिट, स्थायी**
मेरी बात को **पत्थर की लकीर** समझो।

(ग) अक्ल पर पत्थर पड़ना = अर्थ– **बुद्धि भ्रष्ट होना**
बार-बार समझाने पर भी तुम नहीं मानते। क्या तुम्हारी **अक्ल पर पत्थर पड़ गए हैं**।

(घ) बात बिगड़ना = अर्थ– **काम खराब होना**
देखते ही देखते दोनों दोस्तों में **बात बिगड़ गई**।

(ङ) अगर-मगर करना = अर्थ– **टाल-मटोल करना**
यदि तुम्हें पुस्तक नहीं देनी है, तो मत दो। **अगर-मगर क्यों करते हो?**

17 अपठित गद्यांश

खंड 'ख' : रचना

प्रश्न-अभ्यास

- **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

बाँस भारत के विभिन्न ..... तरकीब हाथ लगी हो।

उत्तर- (क) भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के सात राज्यों में बाँस बहुत उगाया जाता है।

(ख) इंसान ने जब हाथ से कलात्मक चीजें बनानी शुरू की तभी से बाँस की चीजें बन रही है।

(ग) इंसान ने डलियानुमा चीजें भोजन इकट्ठा करने के लिए बनाई होंगी।

(घ) बहुतायत = **अधिकता** तरकीब = **उपाय**

(ङ) भारत बाँस चिड़िया टोकरी

18 अनुच्छेद-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

- **निम्नलिखित विषयों पर अनुच्छेद लिखिए–**

उत्तर– (क) जब मैं सपने में चाँद पर गया।

कल दोपहर को विद्यालय से आकर मैंने खाना खाया और लेट गया। अपनी कक्षा में हुई बातों के विषय में सोचते-सोचते कब आँख लग गई मुझे पता ही नहीं चला। तभी मैंने देखा कि मैं एक बड़ी चिड़िया जैसे पक्षी पर सवार होकर बादलों के बीच में से गुजरा। धीरे-धीरे वह पक्षी चाँद की सतह पर उतरा वहाँ उसके जैसे अनेक पक्षी थे, वह मुझे दूसरी दुनिया लगी। चारों तरफ पीले रंग के पहाड़ थे और पानी हरे रंग का था। मैं चलता गया और पहाड़ के पीछे एक गाँव जैसे स्थान पर पहुँचा। वहाँ खेतों में लोहे के समान पेड़ थे जो काले रंग के थे। वहाँ की प्रजातियों को देखकर तो मेरी हैरानगी का ठिकाना न रहा। चींटी के समान गोल सिर पर दो एंटिना लगे हुए थे। गर्दन की जगह स्प्रिंग ओर माथे पर एक आँख थी। उन्हें देखकर मैं डरके मारे एक पत्थर के पीछे छिप गया। उस पक्षी ने अजीब सी आवाज निकाली और तभी लोहे जैसे हाथों ने मुझे धर दबोचा। पास में ही खड़ी उड़न तस्तरी जैसी गाड़ी में मुझे बैठाकर वे कहीं दूर चल दिए। गाड़ी के रुकने पर देखा कि सामने गहरा गड्ढा था। मुझे उसमें एक ऐसे स्थान पर ले जाया गया जहाँ से प्रकाश निकल रहा था। उन्होंने मुझे तारों से बाँधा हुआ था। चाँद के निवासी आपस में कुछ बात कर रहे थे, पर मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। भूख और प्यास से मेरा बुरा हाल था मैं घबराकर चिल्लाने लगा। मुझे नींद में बड़बड़ाते और चिल्लाकर सुनकर मम्मी ने मुझे उठाया। नींद खुलने के साथ ही मैं कल्पना लोक से धरती पर आ गया।

(ख) यदि मैं मोर होता

यदि मैं मोर होता तो कितना अच्छा होता। मैं अपने पंख फैलाकर वर्षा का स्वागत करता। मैं मेघों के छाने पर आनंद से सराबोर हो जाता। मैं पीहू-पीहू करके सभी को वर्षा के आने की सूचना देता। मेरा नृत्य सभी लोगों को भाता है और उनके मन को प्रसन्न करता है। अतः मैं हर उस अवसर पर नृत्य करता जब जीवन को उल्लास और उमंग की आवश्यकता होती। मैं जानता हूँ कि निराश मन व्यक्ति के जीवन में निरुत्साह का प्रसार कर देता है। निरुत्साही व्यक्ति कभी भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है। इसे देखते हुए मैं यथासंभव प्रयत्न करता कि मेरा नृत्य ओर भाव-भंगिमाएँ मेरे आस-पास के लोगों को उत्साही बनाए और उन्हें स्फूर्ति व ऊर्जा प्रदान करें। मोर बनकर मैं एक अन्य कर्तव्य का निर्वहन भी करता और वह

होता अपने आस-पास के क्षेत्र को सर्पों से मुक्त रखना। यद्यपि सर्प अकारण ही किसी को हानि नहीं पहुँचाते हैं। परंतु स्वभाववश सभी लोग सर्पों से भयभीत रहते हैं। इसलिए मैं यदि प्रयास करता कि मेरे क्षेत्र में सर्पों का प्रवेश न हो। इस प्रकार मोर बनकर मैं नाना प्रकार के कार्य करता।

19 पत्र-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

निम्नलिखित विषयों पर पत्र लिखिए–

उत्तर– **1. पिता को अपनी पढ़ाई के विषय में पत्र**

छात्रावास,
राजकीय इंटर कॉलेज,
गाजियाबाद।
दिनांक : _____
पूज्य पिता जी,
सादर चरण स्पर्श।

आपका पत्र मिला। आपने मेरी पढ़ाई की प्रगति के विषय में पूछा है। मेरी तिमाही परीक्षा समाप्त हो गई हैं। मैंने सभी विषयों में परिश्रम किया था। प्रश्न-पत्र में पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर मैंने संतोषजनक रूप से दिए हैं। मुझे विश्वास है कि सभी विषयों में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त होंगे।

आपके आशीर्वाद से मैं अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल हो सकूँगा, ऐसी आशा है।

शेष कुशल। माता जी को चरण–स्पर्श और मुन्नी को प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
प्रमोद कुमार

2. किसी आवश्यक कार्य के हेतु प्रधानाचार्य को पत्र

सेवा में,
प्रधानाचार्य
डी0 ए0 वी0 पब्लिक स्कूल,
इलाहाबाद।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि आज मुझे घर पर आवश्यक कार्य है। इस कार्य को मुझे ही करना है। अतः मैं आज विद्यालय आने में असमर्थ हूँ। कृपया मुझे आज के दिन का अवकाश प्रदान करें।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
विशाल

दिनांक 9-10-20.....

20 कहानी-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

- **बॉक्स में दिए शब्दों की सहायता से निम्नलिखित कहानी को पूर्ण कीजिए–**

उत्तर– किसी जंगल में एक **तालाब** था। वहाँ **रहते** थे–सारस और लोमड़ी। एक दिन लोमड़ी ने सारस को भोजन का **निमंत्रण दिया** जिसे **सारस ने** स्वीकार कर लिया। दूसरे दिन सारस **लोमड़ी के** निमंत्रण पर गया, तो लोमड़ी ने खीर चौड़ी थाली में **परोसी** लंबी चोंच होने के कारण **थाली** में उसकी चोंच लग जाती थी, जिससे वह **खीर न था** पाया और उधर **लोमड़ी** मजे से खीर खाए जा रही थी। यह देखकर **सारस** ने भी लोमड़ी को निमंत्रण दिया और खीर बनाई, जिसे उसने तंग मुँह वाले **जार** में परोसा। लंबी चोंच होने के कारण वह मजे से **खीर खाता रहा** और लोमड़ी **मन** मसोसकर रह गई।

21 निबंध-लेखन

प्रश्न-अभ्यास

- **निम्नलिखित विषयों पर निबंध लिखिए–**

उत्तर– (ग) देश-प्रेम

जिस वस्तु से मनुष्य का थोड़ी देर के लिए भी संपर्क हो जाता है, मनुष्य उसकी स्मृति को भूल नहीं पाता, जिस व्यक्ति के उपकार तले वह दब जाता है, जीवनभर उसका कृतज्ञ रहता है। इसलिए जहाँ उसका जन्म हुआ हो, जिसका मिट्टी में खेलकर उसका बचपन बीता हो, जिसके अन्न-जल से उसका शरीर पुष्ट हुआ हो, उस प्यारी जन्म-भूमि, प्यारे देश के प्रति वह श्रद्धा और आदर की भावना न रखे, यह कैसे संभव है।

कवि वाल्मीकि ने लिखा है–"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।" अर्थात् जननी व जन्मभूमि तो स्वर्ग से भी महान हैं।

सारे जहाँ से अच्छा, हिंदुस्तां हमारा। हम बुलबुले हैं इसके, यह गुलिस्तां हमारा।।

देश-प्रेम से देश की हर वस्तु, व्यक्ति, साहित्य, संस्कृति यहाँ तक कि कण-कण से प्यार करने का तात्पर्य है–यह मेरा देश है, यह भावना देश-भक्ति को जन्म देती है। देश के प्रति अपना कर्तवय निभाने को 'स्वदेश-प्रेम' कहते हैं।

"अलग सभी के पूजाघर हैं अलग धर्म ईमान हैं, लेकिन मेरा मंदिर-मस्जिद प्यारा हिंदुस्तान है।।"

जब इस मातृ-भूमि पर विपत्ति आ जाए तब देश की रक्षा के लिए मर-मिटने के लिए तैयार रहें। यदि उस समय हमारे पास धन है तो भामाशाह बन जाएँ और शक्ति हो तो महाराणा प्रताप बनकर अपने प्राणों की बाजी लगा दें।

अपनी वस्तु से किसे प्यार नहीं होता। जिस देश में हमने जन्म लिया, उसकी

मिट्टी में खेलकर हम बड़े हुए हैं। जिस देश का अन्न-जल, फल-फूल खाकर हमारा शरीर फूला-फला है, ऐसी जन्म-भूमि की शोभा देखकर जिसका मन नहीं नाच उठता, वह अवश्य ही देश-द्रोही है। यह प्रेम अंतःकरण से उत्पन्न होने के कारण स्वाभाविक होता है। यही कारण है कि कर्क रेखा पर तड़प-तड़प कर जीवन बिताने वाले लोग भी अपने देश से प्रेम करते हैं। ध्रुव-खंड के लोग भी जहाँ बर्फ-ही-बर्फ होती है, ठिठुर-ठिठुरकर जीवन बिताते हुए अपने देश को सबसे अच्छा मानते हुए उसकी रक्षा के लिए बलिदान देने के लिए तैयार रहते हैं।

पाकर तुझसे सभीसुखों को हमने भोगा, तेरा प्रत्युपकार कभी क्या हमने होगा।

तेरी ही यह देह, तुझसे बनी हुई है, बस, तेरे ही सुरस-सार से सनी हुई हैं।

प्रत्येक जीव-जंतु अपने घर से बाहर निकलता है और मातृ-भूमि से प्रेम के वशीभूत होकर शाम को वहीं वापस आ जाता है। एक बार की बात है कि यात्री जंगल में से होकर जा रहा था। रास्ते में उसने देखा कि जिस वृक्ष को आग लगी हुई है, उस पर पक्षी बैठे हुए हैं। पंख होते हुए भी वे उड़ने का नाम नहीं ले रहे हैं। उसने उन पक्षियों से पूछा–

आग लगी, इन वृक्ष को, झर-झर झरते पाता। उड़ते क्यों नहीं पक्षियों, जब पंख तुम्हारे पास।।

यह सुनकर पक्षियों को बहुत ग्लानि हुई कि मनुष्य श्रेष्ठ प्राणी होने के कारण ऐसी भावना रखता है। उन्होंने एक सुंदर उत्तर दिया–

फल खाए इस वृक्ष के, गंदे कीन्हें पात। धर्म हमारा है यही, जलें-मरेंगे साथ।।

सुबह होते ही पक्षी कतारों में उड़कर दूर-दराज के प्रदेशों में चले जाते हैं और सायंकाल को, चाहे जहाँ भी हों अपने घोंसलो में फिर पहुँच जाते हैं।

भारत में देशभक्त नर-नारियों की कोई कमी नहीं रही। हर समय और हर स्थान पर असंख्य वीरों तथा वीरांगनाओं ने देश की रक्षा के लिए हँसते-हँसते अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। जीजाबाई, पद्मिनी, लक्ष्मीबाई, दुर्गाबाई आदि वीर बालाएँ तथा शिवाजी, राणा प्रताप, गुरु गोविंद सिंह जैसे असंख्य देशभक्त वीरों ने अपने व्यक्तिगत सुखों की चिंता किए बिना असहनीय कष्ट सहन किए, परंतु देश की आन पर बट्टा न लगने दिया। नेहरू जी प्रायः कहा करते थे कि यदि भारत वर्ष का विनाश हो जाए तो फिर भला कौन भारतवासी रह सकेगा? इसी तरह अगर भारतवर्ष जीवित रहता है तो भला हमारा विनाश कौन कर सकता है?

जो भरा नहीं भावों से,बहती जिसमें रसधार नहीं।
हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।
जिसको नहीं गौरव तथा निज देश का अभिमान है।
वह नर नहीं है, पशु निरा है और मृतक के समान है।।

(घ) वन-संरक्षण

वन प्रकृति के सुंदर उपहार हैं। ये स्वयं धूप, ताप को सहनकर हमें छाया प्रदान करते हैं। वनों के अभाव में धरती का अस्तित्व शून्य है। विद्वानों ने वनों की उपमा 'आत्मा' से दी है, जिस प्रकार आत्मा के अभाव में शरीर का कोई महत्व नहीं है, उसी प्रकार वनों के अभाव में धरती भी महत्वहीन है।

वन हमारी सांस्कृतिक विरासत है। प्राचीनकाल से ही इनकी वृद्धि करना मानव का पुनीत कर्तव्य माना गया है। प्राचीन काल से ही हमारे देश में वनोत्सवों का आयोजन होता रहा है। हमारे देश में वृक्षों को देवताओं का निवास माना गया है। पीपल, बरगद, आँवला, नीम और तुलसी आदि की पूजा का विधान होने से मानव और वृक्षों का संबंध आज भी है।

वृक्षों का मानव से शाश्वत संबंध है। वृक्ष काटने वाले के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। वृक्ष वर्षा के प्रमुख स्रोत है, ये वर्षा को आमंत्रित करते हैं। वृक्षों से जल के बहाव और वायु के वेग से भूमि के कटाव को रोका जाता है। इस प्रकार वृक्ष बाढ़ पर नियंत्रण लगाते हैं। वृक्ष से हमें बहुमूल्य इमारती तथा ईंधन की लकड़ी प्राप्त होती हैं। अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियाँ और दवाएँ प्राप्त होती हैं। वनों में अनेक वन्य जंतु विहार करते हैं जो हमारी आर्थिक स्थिति को सुधारने में अपूर्व योग देते हैं। वृक्ष अपनी सूखी पत्तियों और फूलों से धरती की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में योग देते हैं। वह पानी के स्तर को ऊँचा करने में सहायक हैं। वनों से हमें तरह-तरह का पौष्टिक भोजन प्राप्त होता है। इनसे हरियाली ओर छाया प्राप्त होती है। वनों में हमारे असंख्य पशु चरते है, अतः वन हमारे उपयोगी चरागाह होते हैं। इनसे लघु उद्योगों की स्थापना में सहायता मिलती है, जैसे टोकरियाँ एवं बेंत बनाना, रस्सी बटना, गोंद, शहद एकत्र करना आदि। वनों पर आधारित उद्योगों से लगभग 7.8 करोड़ व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त होता है। सरकार को वनों का उपयोग करने से करोड़ों रुपये की आमदनी होती है। वन सरकार को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भी अर्जित कराते हैं। ये पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। वनों में शिकार खेला जाता है और वह मानव मनेरंजन के सुंदर स्थल होते हैं। वन देश की आर्थिक उन्नति की रीढ़ होते हैं। वनों से हमें सामाजिक और नैतिक शिक्षा प्राप्त होती हैं।

जो वन आदिकाल से पूजनीय माने जाते रहे हैं, आज हमारे देश में उनकी स्थिति दयनीय हो रही है। दिनों-दिन पुराने वन काटे जा रहे हैं और नए वनों की स्थापना नहीं हो रही है। आज मानव की दृष्टि में वृक्ष का कोई महत्व नहीं रहा है। वनों के अभाव ने हमारे देश को संकट में डाल दिया है। आज स्थान-स्थान पर बाढ़ आ रही है, वर्षा के निश्चित समय बदलते जा रहे हैं।

भारत में वनों की स्थिति अधिक दयनीय है। वनों को उजाड़ने में प्रमुख हाथ ठेकेदारों का है। ये ठेकेदार वनों के वृक्षों को तो दिनों-दिन काटते जा रहे हैं। किंतु उनके विकास की ओर से उदासीन हैं। वनों को हानि पहुँचाने में वनों के

अंतर्गत निवास करने वाली जंगली जातियों का भरपूर हाथ रहता है। वे अपने पशुओं को खुले रूप में इनमें चरने को छोड़ देते हैं जो छोटे-छोटे पौधों को खाकर वनों के विकास को अवरूद्ध कर देते हैं। इसके अतिरिक्त वनों के इर्द-गिर्द निवास करने वाले लोग भी वनों को काटने से नहीं चूकते। वनों को नष्ट करने में वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी बहुत बड़ा योग होता है। वनों के विनाश के लिए वन्य जंतु भी किसी सीमा तक उत्तरदायी हैं। हाथी आदि पशु दिन-रात पेड़ों को उजाड़कर वनों को हानि पहुँचाते रहते हैं।

वनों की इस दयनीय स्थिति को देखकर आज वनों के पर्याप्त विकास की महती आवश्यकता है। इसके लिए वृक्षारोपण का बहुत महत्त्व है। वृक्षारोपण से वनों का विनाश तो रुकेगा ही, साथ ही उनका विकास भी होगा।

एक लंबे अरसे तक हमारे देश की जनता और सरकार दोनो ही वनों की ओर से उदासीन रहे हैं, परंतु यह हर्ष का विषय है कि विगत दस वर्षों में हमारी सरकार ने इस ओर पर्याप्त ध्यान दिया है। हमारे देश में अब तक अरबों पेड़ों का रोपण हुआ, जो अच्छी प्रगति की शुरुआत कही जा सकती है। इन नए पेड़ों से देशवासियों को भविष्य में जो लाभ प्राप्त होंगे उनकी कल्पना करना कठिन नहीं है। इसके लिए उन्हें एक पेड़ के स्थान पर दो पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का उत्तरदायित्व अपने सिर पर लेना होगा, तभी भारत में वनोत्सव के महत्त्व को स्वीकारा जाएगा।

वन हमारा जीवन हैं।उनका विकास हमारे जीवन का विकास है, वे पृथ्वी के सुंदर अलंकरण तो हैं ही, हमारे भाग्य विधाता भी हैं। वस्तुतः इनका विनाश मानव का विनाश है। हमारी सरकार की वर्तमान वन नीति को देखते हुए अब यह कहा जा सकता है कि भारत में वनों का भविष्य उज्ज्वल है। अब वह दिन दूर नहीं जब वन अपनी विराटता का रुप धारण करके अपने प्राचीन गौरव को पुनः प्राप्त करेंगे।

(ङ) प्रदूषण समस्या

वर्तमान समय में प्रदूषण सरकार के लिए तथा शहरों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। यह मात्र एक राष्ट्र ही नहीं वरन् संपूर्ण विश्व के लिए एक खतरा बन चुका है। इस युग में जहाँ एक ओर हरियाली मिट रही है, वहीं प्रदूषण भी बढ़ रहा है। प्रदूषण के बढ़ने का प्रमुख कारण है–'जनसंख्या।' आज बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण खेतों के स्थान पर हर ओर मकान बने हुए दिखाई दे रहे हैं।

कारखानों से निकलने वाला धुआँ और गैसें वातावरण की शुद्ध वायु में मिलकर उसे दूषित कर रहे हैं, जिससे लोगों में श्वास, त्वचा तथा फेफड़ों संबंधी रोग बढ़ रहे हैं। सड़कों पर दौड़ने वाली बसों, ट्रकों, कारों, स्कूटरों आदि से निकलने वाले धुएँ ने तो वातावरण को धुँधला कर दिया है।

कारखानों और सड़कों पर चलने वाले वाहनों के धुएँ के कारण शाम के समय आसमान काले रंग का दिखाई देता हे। वातावरण दूषित होने के कारण

मनुष्यों में बीमारियाँ लगातार बढ़ती ही जा रही हैं।

नदियों का पानी जो हमारे लिए बहुत उपयोगी है, उसमें भी कारखानों का गंदा पानी तथा लोगों का मल-मूत्र बहाया जा रहा है। मृत पशुओं को लोग नदियों के किनारे फेंक देते हैं, जिससे पानी और वायु दोनों ही प्रदूषित होते हैं।

हमें प्रदूषण को सरकार की समस्या नहीं बल्कि अपनी स्वयं की समस्या समझना चाहिए। हमें खुली जगहों या सड़कों पर कूड़ा-कचरा नहीं फेंकना चाहिए। जरा सोचिए, प्रदूषण आज ही इतनी बड़ी समस्या है तो आने वाले समय में क्या होगा? अगर हमें प्रदूषण को रोकना है तो बढ़ती हुई जनसंख्या पर रोक लगानी होगी, प्राकृतिक संसाधनों के अनुचित प्रयोग पर रोक लगानी होगी। तभी हम प्रदूषण से मुक्ति पा सकते हैं।

(च) समाचार-पत्र

समाचार-पत्र आज के समाज की आवश्यकता बन गए हैं। जनसंचार के साधनों (मीडिया) में समाचार-पत्रों का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है। ज्यों-ज्यों देश में शिक्षा का प्रसार होता जाएगा त्यों-त्यों समाचार पत्रों का प्रसार भी बढ़ेगा क्योंकि ये संसार की प्रत्येक घटना से पाठक को जोड़ते हैं।

आज विश्व तीव्र गति से बदल रहा हे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कारण नित नए-नए आविष्कार हो रहे हैं। विश्व में नई-नई घटनाएँ हो रही हैं। देशों में टकराव हो रहे हैं। ऐसी अनेक बातों की जानकारी हमें समाचार-पत्रों के द्वारा ही होती है। यही कारण है कि लोग सुबह की चाय से भी पहले समाचार-पत्र की प्रतीक्षा करते हैं।

समाचार-पत्रों का काम पाठक तक समाचार पहुँचाना ही नहीं है बल्कि वे पाठकों को जागरूक भी बनाते हैं; इसीलिए उन्हें लोकतंत्र का चौथा खंभा भी कहा जाता है। घटनाओं को समझने में, चेतना जगाने में और जनमत तैयार करने में समाचार-पत्रों का महत्व सबसे अधिक है।

विज्ञापन समाचार-पत्रों में अवश्य होते हैं। वे एक ओर तो समाचार-पत्र की आमदनी का साधन होते हैं और दूसरी ओर पाठक को नई-नई चीजों की जानकारी देते हैं। ये उत्पादकों और ग्राहकों को जोड़ने वाली कड़ी होते हैं। बेरोजगारों के लिए समाचार-पत्रों का विशेष महत्व है। रोजगार के विज्ञापनों के माध्यम से वे अपने किए उपयुक्त रोजगार तलाश सकते हैं।

बच्चों, किशोरों, कामकाजी महिलाओं, गृहणियों आदि के लिए भी समाचार कुछ-न-कुछ देते हैं। इसलिए समाचार-पत्रों का महत्व सबसे अधिक है।